शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, ● www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 299 | गुवाहाटी | सोमवार, 2 जून, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बांग्लादेश के नए करेंसी नोटों से हटाए गए बंगबंधु की तस्वीरें पेज 2
डीओएचयूए मंत्री जयंत मल्लाबरुवा ने गुवाहाटी में बाढ़ राहत और... पेज 3
प्रधानमंत्री के 11 साल पहले के पूरे हुए वायदे हैं संकल्प से सिद्धि : नायब सिंह सैनी पेज 5
साई सुदर्शन का काउंटी कनेक्शन, आजमाया आईपीएल 2025 में सबसे अधिक... पेज 7

Door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
जन्म-मरण में दुःख ही है।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

कोकराझाड़ में खेत में लगी आग

कोकराझाड़। असम के कोकराझाड़ जिले में रविवार को एक खेत में भीषण आग लग गई, जिसकी लपटें आसमान में ऊंची उठ रही थीं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आग बुझाने के लिए बाबुबिल इलाके में दमकल की गाड़ियां और पुलिस मौके पर पहुंच गई हैं। उन्होंने बताया कि स्थानीय ग्रामीणों ने आग देखी, जिन्होंने तुरंत अधिकारियों को सूचित किया। स्थानीय निवासी की तरफ से शूट किए गए आग के वीडियो में मौके से ऊंची लपटें उठती दिखाई दे रही हैं, जिससे लोगों में *-शेष पृष्ठ दो पर*

डीआरआई ने मिजोरम में मेथामफेटामाइन की बड़ी खेप पकड़ी

नई दिल्ली (हि.स.)। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने नशीली दवाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 30 मई को मिजोरम के एजल-चंफई राजमार्ग पर एक महिंद्रा एक्सयूवी से 9.72 किलोग्राम मेथामफेटामाइन की गोलियां जब्त की। अंतर्राष्ट्रीय अवैध बाजार में जब्त की गई गोलियों की कीमत 9.72 करोड़ रुपये आंकी गई है। वित्त मंत्रालय की ओर से *-शेष पृष्ठ दो पर*

पूर्वोत्तर में बारिश से हालात बदतर : शाह ने स्थिति की ली जानकारी, कहा-

मदद के लिए मोदी सरकार चट्टान की तरह खड़ी

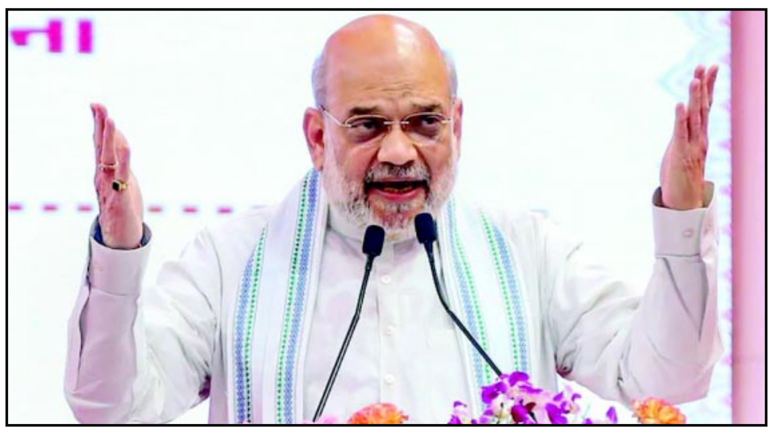

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर भारत में बारिश से हाल बेहाल है। यहां चरम मौसमी स्थितियों से उपजे हालातों में 14 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। जहां बाढ़ के कारण असम में ही करीब 78 हजार लोग प्रभावित हुए हैं वहीं, अरुणाचल प्रदेश, असम और मिजोरम में बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्वोत्तर के चार राज्यों असम, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के मुख्यमंत्रियों और मणिपुर के राज्यपाल से बात कर हालात की जानकारी ली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर बताया है कि असम, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों और मणिपुर के राज्यपाल से उनके राज्यों में जारी भारी बारिश के मद्देनजर बात की। साथ ही उन्हें किसी भी स्थिति से निपटने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार पूर्वोत्तर के लोगों के समर्थन में चट्टान की तरह खड़ी है। गौरतलब है कि भारी बारिश के कारण पूर्वोत्तर राज्यों के कई हिस्से बाढ़ जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। बाढ़ के कारण सबसे ज्यादा प्रभावित असम है, जहां 15 से अधिक जिलों में 78,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। पिछले कुछ दिनों में राज्य भर में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ के कारण सड़क परिवहन और ट्रेन और नौका सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। पिछले दो दिनों से लगातार बारिश के कारण त्रिपुरा में भी हाल बेहाल हैं। राज्य में भारी बारिश के कारण लगभग 1300 परिवारों ने पश्चिमी त्रिपुरा जिले में सरकारी राहत शिविरों में शरण ली है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने रविवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण पश्चिमी त्रिपुरा जिले के विभिन्न हिस्सों में भयंकर बाढ़ आ गई है। इसके कारण लगभग 1300 परिवारों को सुरक्षा के लिए सरकारी आश्रय गृहों में स्थानांतरित कर दिया गया है। राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों पर कड़ी निगरानी रख रही है। इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 1 जून से 5 जून, 2025 के बीच त्रिपुरा में भारी से बहुत भारी वर्षा और आंधी-तूफान की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग ने अलग-अलग *-शेष पृष्ठ दो पर*

असम में बाढ़ संकट के बीच केंद्रीय गृहमंत्री ने दिया हरसंभव मदद का भरोसा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में मूसलधार बारिश से उत्पन्न बाढ़ और भूस्खलन की गंभीर स्थिति के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य को केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को बताया कि गृह मंत्री ने उन्हें फोन कर हालात की जानकारी ली और सभी जरूरी मदद देने का वादा किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर लिखा कि गृह मंत्री अमित शाह ने थोड़ी देर पहले मुझे फोन कर असम में बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी ली और हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। मैंने उन्हें अब तक की गई तैयारियों से अवगत कराया। हम उनके संवेदनशील रवैये और सहयोग के लिए आभारी हैं। राज्य के 12 जिलों में बाढ़ और भूस्खलन से हालात बेहद खराब हैं। अब तक 58,000 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। 1 जून को ब्रह्मपुत्र नद डिब्रूगढ़ में खतरे के निशान को पार कर गई, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, अबतक आठ लोगों की मौत हो चुकी है और 175 गांव प्रभावित हुए हैं। जिनमें 3 की मौत बाढ़ में और 5 की भूस्खलन में हुई है। ये मौतें गोलाघाट, लखीमपुर और कामरूप (मेट्रो) जिलों में हुई हैं। गोलाघाट और गुवाहाटी में बच्चों की भी जान गई हैं। सात हजार से अधिक लोग राहत *-शेष पृष्ठ दो पर*

बाढ़ : सीएम ने नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क किया

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को राज्य और पड़ोसी अरुणाचल प्रदेश में लगातार बारिश के मद्देनजर नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। एक्स पर एक पोस्ट में, शर्मा ने बाढ़ की चेतावनी जारी की और कहा कि अरुणाचल प्रदेश के किबिटू (17 सेमी), हयुलियांग (15 सेमी) और कलकटंग (10 सेमी) में भारी वर्षा दर्ज की गई है, जिससे नदी के जलस्तर में तेज वृद्धि हो सकती है। उन्होंने कहा कि असम में सिलचर (42 सेमी), करीमगंज (35 सेमी), हैलाकांदी (30 सेमी) और आसपास के इलाकों में पहले से ही भारी बारिश हो रही है। निचले इलाकों और नदी किनारे के इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और स्थानीय सलाह का पालन करने की सलाह दी गई है। सुरक्षित रहें, तैयार रहें। असम में रविवार को बाढ़ की स्थिति गंभीर रही क्योंकि 10 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही थीं और 15 से अधिक जिलों में 78,000 लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। इसके अलावा, राज्य में बाढ़ और भूस्खलन में अब तक आठ लोगों की मौत हो *-शेष पृष्ठ दो पर*

पूर्वोत्तर में बाढ़ और भूस्खलन ने मचाया कोहराम

सिक्किम में फंसे 1500 से अधिक पर्यटक, मणिपुर में 883 घर तबाह

नई दिल्ली। भारत के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में अचानक आई बाढ़ ने राज्य में कहर बरपाया है और पिछले 48 घंटों में राज्य भर में बाढ़ और भूस्खलन की वजह से 3802 लोग प्रभावित हुए हैं। इस दौरान 883 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि राज्य की राजधानी इंफाल के कई इलाके और इंफाल पूर्वी जिले के कई हिस्से जलमग्न हो गए हैं। भारी बारिश की वजह से उफनती नदियों ने खुरई, हिगांग और चेकोन के इलाकों में तटबंध तोड़ दिए हैं। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने इंफाल के कई जलमग्न इलाकों का दौरा किया, जबकि सेना और असम राइफल्स के जवानों ने सबसे ज्यादा प्रभावित जिले इंफाल ईस्ट में जलमग्न इलाकों से करीब 8000 लोगों को बचाया है। राजभवन की ओर से जारी बयान में *-शेष पृष्ठ दो पर*

जोरहाट सेना छावनी से पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार

जोरहाट (हि.स.)। राष्ट्र विरोधी गतिविधियों पर नकेल कसने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। भारतीय सशस्त्र बलों ने रविवार को जोरहाट के लिचुबारी स्थित भारतीय सेना की 41वीं सब एरिया छावनी से एक संदिग्ध पाकिस्तानी जासूस को गिरफ्तार किया। आरोपित की पहचान समसुल इस्लाम के रूप में हुई है, जो वेल्डिंग कर्मचारी है और कई वर्षों से सेना की 41वीं सब एरिया छावनी में काम कर रहा था। धुबड़ी जिला के बिलासीपारा निवासी इस्लाम पर भारतीय सेना की जासूसी करने और पाकिस्तान में मौजूद हैंडलर्स को गोपनीय जानकारी देने का आरोप है। जांच एजेंसियां इस्लाम *-शेष पृष्ठ दो पर*

असम ने पहलगाम में मारे गए टट्टू संचालक के परिवार को पांच लाख रुपए की सहायता दी

श्रीनगर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले से प्रभावित परिवारों के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा की, साथ ही राज्य मंत्रिमंडल ने इस हमले के पीड़ितों के लिए तत्काल राहत उपायों को मंजूरी दी, जिसे अधिकारियों ने *पाकिस्तान समर्थित* हमला बताया। यह निर्णय तब लिया गया जब असम के कैबिनेट मंत्री अतुल बोरा ने पहलगाम हमले में मारे गए स्थानीय टट्टू संचालक सैयद आदिल हुसैन शाह के परिवार से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की। बोरा ने जम्मू-कश्मीर में पीड़ित के घर जाकर मुख्यमंत्री की ओर से शोक पत्र के साथ 5 लाख रुपए का चेक सौंपा। शोक संतप्त परिवार के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए शर्मा ने कहा कि सैयद आदिल की क्षति दुखद और हृदय विदारक है। उनके जैसे आम *-शेष पृष्ठ दो पर*

असम की बिनीता छेत्री ने डांस के जरिए बीजीटी में दूसरी रनर-अप का खिताब जीता

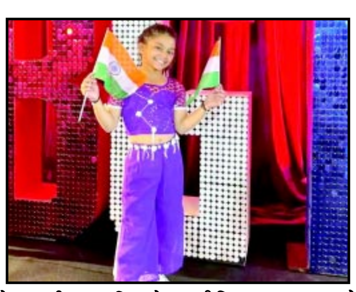

गुवाहाटी। असम की नौ वर्षीय बिनीता छेत्री ने रियलिटी शो *ब्रिटेन्स गॉट टैलेंट* (बीजीटी) में दूसरा उपविजेता स्थान हासिल किया है। उन्होंने कार्बी आंग्लांग के पहाड़ी जिले के एक छोटे से गांव से दुनिया के सबसे बड़े मंचों में से एक तक का सफर तय किया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने नृत्यांगना को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने अपनी उपलब्धि से सभी को गौरवान्वित किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि नृत्य के माध्यम से वह गौरव की ओर बढ़ रही हैं। हमारी अपनी #BinitaChetry को #BGTFinal में तीसरा स्थान हासिल करने पर बहुत-बहुत बधाई... उनके प्रदर्शन ने ब्रह्मपुत्र से लेकर टेम्स तक के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है और हम सभी को गौरवान्वित किया है। बिनीता ने बीजीटी की आधिकारिक सोशल मीडिया साइट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में अपने समर्थकों और सोशल मीडिया अनुयायियों, विशेष रूप से यूनाइटेड किंगडम के दर्शकों *-शेष पृष्ठ दो पर*

देश में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या 3758 के पार, दो की मौत

नई दिल्ली (हि.स.)। देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। कोरोना वायरस से पिछले 24 घंटे के दौरान दो मरीजों की मौत हुई है। कर्नाटक में 63 वर्षीय बुजुर्ग मरीज ने दम तोड़ दिया, जिन्हें पहले से अन्य गंभीर बीमारियां भी थीं। केरल में 24 साल की एक युवती की संक्रमण से मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को सुबह जारी आंकड़ों में बताया कि देश में एक्टिव कोविड केस की संख्या बढ़कर 3758 हो गई है। बीते 24 घंटे में 363 नए संक्रमित मरीज सामने आए, जबकि 1818 मरीजों को इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। आंकड़ों के अनुसार सभी राज्यों में *-शेष पृष्ठ दो पर*

राज्य में भाजपा सरकार सत्ता, पैसा, जमीन और सिंडिकेट को लेकर चिंतित : गौरव

जोरहाट। असम कांग्रेस के मनोनीत अध्यक्ष गौरव गोगोई ने रविवार (1 जून, 2025) को भाजपा नीत राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ मोर्चा केवल *सत्ता, धन, भूमि और सिंडिकेट* से चिंतित है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की राजधानी गुवाहाटी में विनाशकारी बाढ़ और जलभराव ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है, जिसका मुख्य कारण सत्तारूढ़ पार्टी के करीबी मंत्रियों और लोगों द्वारा आर्द्रभूमि पर अतिक्रमण है। गोगोई ने सुबह शिवसागर से नगांव तक जुलूस की शुरुआत की। 250 किलोमीटर लंबी यात्रा के दौरान हजारों समर्थकों के साथ यह काफिला जोरहाट और गोलाघाट से होते हुए शाम को मध्य असम जिले में प्रवेश करेगा। उन्होंने शिवसागर शहर में ऐतिहासिक शिव दौल (मंदिर) का दौरा करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि यह सरकार सत्ता, धन, भूमि हड़पने और सिंडिकेट में गहराई से डूबी हुई है। अनियोजित निर्माण, *-शेष पृष्ठ दो पर*

बांग्लादेश के इतिहास का सबसे बड़ा ट्रायल

पूर्व पीएम हसीना पर मानवता विरोधी अपराध का मुकदमा शुरू

ढाका। बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और दो अन्य व्यक्तियों को पिछले वर्ष छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों को हिंसक रूप से दबाने में उनकी कथित भूमिका के लिए सामूहिक हत्या सहित कई आरोपों में अभ्यारोपित किया। रविवार की कार्यवाही का मतलब है कि हसीना के खिलाफ उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा शुरू किया जाएगा। यह कार्यवाही विरोध प्रदर्शनों के बाद हसीना सरकार के सत्ता से हटने के लगभग 10 महीने बाद शुरू हुई। अभियोजन पक्ष द्वारा औपचारिक रूप से हसीना पर *-शेष पृष्ठ दो पर*

भारत की शांति भंग करने की कोशिश करने वालों को मिलेगा करारा जवाब : शाह

कोलकाता (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो भी भारत की शांति भंग करने की कोशिश करेगा, उसे करारा जवाब मिलेगा। अमित शाह ने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर 100 किलोमीटर तक जाकर आतंकी अड्डों को नष्ट किया और 100 से ज्यादा आतंकवादियों को मार गिराया लेकिन इस सफलता से ममता दीदी को पेट में दर्द हो गया। गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब इस अभियान की सफलता के बाद बंगाल आए तो ममता बनर्जी ने इसका राजनीतिक विरोध करते हुए *ऑपरेशन सिंदूर* को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया। प्रधानमंत्री के समर्थन की बजाय मुख्यमंत्री ने माताओं-बहनों की भावनाओं से खिलवाड़ किया। उल्लेखनीय है कि बीते सप्ताह ममता बनर्जी ने ऑपरेशन सिंदूर के नाम को *राजनीतिक* करार दिया था। उनका *-शेष पृष्ठ दो पर*

नेपाल में राजशाही समर्थकों का प्रदर्शन, पूर्व गृह मंत्री गिरफ्तार

काठमांडु। भारत के पड़ोसी देश नेपाल में इन दिनों बवाल मचा हुआ है। देश में राजशाही को वापस बहाल करने की मांग तेज होती जा रही है, जिसके चलते कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इस बीच नेपाल के पूर्व गृह मंत्री कमल थापा समेत करीब आधा दर्जन अन्य लोगों को रविवार (1 जून) को राजधानी काठमांडू में राजशाही समर्थक प्रदर्शन के दौरान प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने का प्रयास करने को लेकर गिरफ्तार कर लिया गया। राजशाही को बहाल करने और नेपाल को हिंदू राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) और आरपीपी नेपाल सहित राजशाही समर्थक समूहों ने आंदोलन के चौथे दिन यहां नारायण चौर में विरोध प्रदर्शन *-शेष पृष्ठ दो पर*

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

नामोनिशान मिटाने पर अमादा यूनुस सरकार

बांग्लादेश के नए करेंसी नोटों से हटाए गए बंगबंधु की तस्वीरें

ढाका। बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना की सत्ता से विदाई के बाद राजनीतिक माहौल में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। अब देश के केंद्रीय बैंक ने एक और अहम कदम उठाया है, जिसने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। रविवार से बांग्लादेश में जारी हो रहे नए बैंक नोटों पर देश के संस्थापक बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान का चित्र नहीं होगा। बांग्लादेश में पिछले साल हिंसक छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ा था। उनके बाद बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन किया गया है। यूनुस ने सत्ता में आने के बाद मुजीब से जुड़ी यादों को मिटाने कोशिश शुरू कर दी है। अब बांग्लादेश नोट पर से मुजीब की तस्वीर भी हटाई जा रही है। बांग्लादेश बैंक के प्रवक्ता आरिफ हुसैन खान के अनुसार, नई मुद्रा श्रृंखला मानव चित्रों की बजाय प्राकृतिक परिदृश्यों, ऐतिहासिक स्थलों, और संस्कृतिक प्रतीकों पर केंद्रित होगी। खान ने कहा कि नई डिजाइन के तहत किसी भी व्यक्ति की छवि नहीं होगी। नोटों में अब देश की सांस्कृतिक विविधता और ऐतिहासिक विरासत को दर्शाया जाएगा। नई नोट श्रृंखला में हिंदू और बौद्ध मंदिरों, स्वर्गीय जैनुल आबेदीन की कलाकृतियों, और 1971 के मुक्ति संग्राम के राष्ट्रीय शहीद स्मारक की तस्वीरें शामिल की गई हैं। बैंक ने शुरुआत में तीन मूल्यवर्ग के नोट जारी किए हैं और आगे अन्य नोटों को भी चरणबद्ध तरीके से पेश किया जाएगा। शेख मुजीबुर रहमान, जिन्हें *बंगबंधु* कहा जाता है, बांग्लादेश के संस्थापक नेता और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता हैं। 1972 में देश की आजादी के बाद जारी की गई पहली बैंकनोट श्रृंखला में उनका चित्र शामिल किया गया था। तब से अधिकांश बांग्लादेशी नोटों पर उनकी छवि रही है, विशेषकर जब अवामी लीग सत्ता में रही। हालांकि अब शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने और यूनुस सरकार के सत्ता में आने के बाद, विपक्ष इसे राष्ट्रपिता की स्मृति मिटाने की कोशिश करार दे रहा है। यह कदम शेख मुजीब की विरासत को सीमित करने की दिशा में एक राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। यह पहली बार नहीं है जब बांग्लादेश की मुद्रा में बदलाव किया गया है। 1972 में पाकिस्तान से स्वतंत्रता मिलने के बाद बांग्लादेश ने नई मुद्रा पेश की थी, जिसमें देश का नक्शा अंकित था। बाद के वर्षों में, विभिन्न सरकारों के दौर में नोटों पर ऐतिहासिक स्थलों, सांस्कृतिक प्रतीकों और राजनीतिक नेताओं की तस्वीरें जोड़ी और हटाई जाती रही हैं।

यूक्रेनी हमले में 40 से ज्यादा रूसी विमान तबाह

जवाब में रूस ने यूक्रेनी सैन्य प्रशिक्षण केंद्र किया तबाह, 12 की मौत

मॉस्को। यूक्रेन ने रूस पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है। यह हमला रूस के सुदूर इलाके साइबेरिया में हुआ, जहां एक सैन्य एयरबेस को निशाना बनाया गया। रूस के इरकुत्स्क क्षेत्र के गवर्नर ने हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि यूक्रेनी ड्रोन ने श्रीदनी गांव में स्थित एक सैन्य इकाई पर हमला किया। यह पहली बार है जब साइबेरिया जैसे क्षेत्र पर इस तरह का हमला हुआ है। यूक्रेन के सुरक्षा सेवा (एसबीयू) द्वारा चलाए गए इस अभियान में रूस के अंदर गहराई तक जाकर कई एयरबेस को निशाना बनाया गया। यूक्रेनी मीडिया के मुताबिक, ओलेन्या और बेलाया जैसे एयरफील्ड्स पर हमला कर 40 से ज्यादा रूसी लड़ाकू और बमवर्षक विमानों को नुकसान पहुंचाया गया। इसके जवाब में रूस द्वारा यूक्रेन के सैन्य प्रशिक्षण केंद्र पर रविवार को मिसाइल से किए गए हमले में कम से 12 यूक्रेनियाई सैनिक मारे गए जबकि 60 से अधिक घायल हुए हैं। यूक्रेन की थलसेना ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कि हमला अपराह्न 12:50 बजे हुआ। उसने दावा किया कि हमले के समय कोई सैन्य तैयारी नहीं हो रही थी। यूक्रेन की थलसेना ने बताया कि हमले की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए एक जांच आयोग का गठन किया गया है, जिसमें इतने कर्मी हताहत हुए हैं। यूक्रेन का यह प्रशिक्षण केंद्र अग्रिम मोर्चे से करीब 1,000 किलोमीटर दूर है। हालांकि, इस स्थान को रूस के टोही और हमलावर ड्रोन निशाना बनाने में सक्षम हैं। यूक्रेन की सेना सैनिकों की कमी से जूझ रही है और एक स्थान पर सैनिकों के जमावड़े के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरत रही है, क्योंकि अग्रिम मोर्चे पर आसमान रूसी ड्रोन से भरे हैं जो निशाने की तलाश में रहते हैं। यूक्रेन की थलसेना ने एक बयान में कहा कि यदि यह साबित हो जाता है कि अधिकारियों की कार्रवाई या निष्क्रियता के कारण सैनिक हताहत हुए हैं, तो जिम्मेदार लोगों की सख्ती से जवाबदेही तय की जाएगी।

असम में भारी बारिश के चलते कई ट्रेनें रद्द

गुवाहाटी (हिंस)। असम में पिछले 24 घंटों में भारी बारिश और असम के बाराइग्राम-दुल्लबछेड़ा सेक्शन में पटरियों पर पानी बहने के कारण, कई ट्रेनों को रद्द, आंशिक रूप से रद्द कर दिया गया है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने रविवार को बताया है कि रद्द की गई ट्रेनों में 55688 सिलचर-दुल्लबछेड़ा को 2 और 3 जून को रद्द कर दिया गया है। वहीं ट्रेन नंबर 55687 दुल्लबछेड़ा-सिलचर को 1 और 4 जून को रद्द कर दिया गया है। इसी तरह ट्रेन नंबर 55690/55689 बदरपुर-दुल्लबछेड़ा-बदरपुर को 2 और 3 जून को रद्द कर दिया गया है।

हैलाकांदी शहर में जल भराव की भयावह स्थिति

हैलाकांदी (हिंस)। हैइलाकांदी जिला शहर में जल भराव (कृत्रिम बाढ़) की भयावह स्थिति उत्पन्न हो गई है। पिछले कुछ दिनों से राज्य में हो रही मूसलाधार बारिश के परिणामस्वरूप हैलाकांदी जिला शहर के अलग-अलग इलाकों में भारी जल भराव से जनजीवन प्रभावित हुआ है। रविवार को मिली जानकारी के अनुसार वर्तमान समय में हैलाकांदी शहर की विभिन्न सड़कों के साथ-साथ कई लोगों के घरों में पानी घुसा हुआ है। शहर की विभिन्न सड़कों पर बांस लगाकर लोगों ने रास्तों को बंद कर रखा है। इस बीच हैलाकांदी जिले की दो नदियों का पानी तेजी से बढ़ रहा है। वर्तमान में काटाखाल और धलेश्वर नदी का जल स्तर खतरनाक सीमा को पार कर चुका है। प्रति घंटा नदी का जलस्तर 20 सेंटीमीटर बढ़ रहा है। अगर अगले 2 घंटे और बारिश होती है, तो हैलाकांदी जिले के कई क्षेत्र पानी के नीचे होंगे।

चोरी की स्कूटी के साथ तीन शातिर चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की बशिष्ठ पुलिस ने तीन चोरी के आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि पिछले दिनों गिरफ्तार किए गए आरोपी रोहित दास उर्फ अन्ना (20) से मिली जानकारी के आधार पर बशिष्ठ पुलिस ने एक सर्च ऑपरेशन चलाया। यह ऑपरेशन दिसपुर थाना क्षेत्र के जापोरिगोग इलाके (एएसईबी के पास) और भांगागढ़ थाना क्षेत्र के राजगढ़ रोड में चलाया गया।

मवेशी चोरी के मामले में दो चोर गिरफ्तार, एक ट्रक को ग्रामीणों ने फूंका

मोरीगांव (हिंस)। मायंग के बरकुरानी में मवेशी चोरी की घटना को लेकर रविवार सुबह स्थिति बेहद उत्तेजक हो गयी। मवेशी चोरी की वारदात में शामिल एक ट्रक (एएस-02डीसी-5220) में ग्रामीणों ने आग लगा दी। इस दौरान दो चोरों को पकड़ने के बाद ग्रामीणों ने पुलिस के सामने ही दोनों चोरों की जमकर पिटाई की। चोरों को पुलिस ने अपनी हिरासत में लिया है। है। हालांकि, मौके से चार चोर फरार होने में सफल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि चोरों का गिरोह बीती रात मायंग के कपौजारी में एक ग्रामीण के घर से चोर उस समय 8 मवेशियों को चुराकर फरार हो गए, जब वह घर में सो रहा था। लेकिन रविवार तड़के फिर से चोरों का गिरोह मवेशी चुराने के लिए पहुंच गए, लेकिन इस बार उनकी किस्मत खराब निकली वे सफल नहीं हो पाए। गिरफ्तार दोनों चोरों ने ग्रामीणों की पिटाई के दौरान इलाके में हुई चोरी की सारी बातें कबूल कर लीं। गिरोह में शामिल चोरों का घर मायंग के कुसियानी और सिद्धागुड़ी में हैं। लंबे समय से चोरी की घटनाओं के चलते लोगों में आतंक फैला हुआ था। अंततः आज दो चोर पकड़े गए। चोरों के गिरोह में शामिल चोरों की पहचान माइनुल, रफिकुल, आसादुल, बाबू, मोशरफ और महमुदुल है।

रेसुब की त्वरित कार्रवाई से मादक पदार्थ जब्त

गुवाहाटी (हिंस)। रेलवे मार्गों के माध्यम से प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी को रोकने के लिए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) द्वारा सघन जांच और निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। आरपीएफ ने प्रतिबंधित मादक पदार्थों और बेहोश करने वाली दवाओं की तस्करी में शामिल 20 लोगों को पकड़ा और जोन के विभिन्न स्थानों से 5.35 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की तस्करी की गई वस्तुएं बरामद की हैं।

पृष्ठ एक का शेष

मदद के लिए ...

इलाकों, खास तौर पर धलाई और पश्चिमी त्रिपुरा जिलों में, बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। कुछ इलाकों में बिजली चमकने और तेज हवाएं (40-50 किलोमीटर प्रति घंटे) चलने के साथ गरज के साथ बारिश होने की भी संभावना है। इस बीच, असम-अरुणाचल सीमा पर उफनती बोमजीर नदी में फंसे 14 लोगों को भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के जवानों ने बचाया। तिनसुकिया के जिला आयुक्त स्वप्निल पॉल ने राहत अभियान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उनके अनुरोध पर सुबह के समय बचाव अभियान चलाया गया। अधिकारी ने बताया कि सभी 14 लोगों को वापस घर भेज दिया गया है।

असम में बाढ़ संकट...

शिविरों में रह रहे हैं। धेमाजी, दक्षिण सालमारा, लखीमपुर, डिब्रूगढ़, गोलाघाट और कार्बी आंग्लांग के 175 गांव प्रभावित हुए हैं। प्रशासन ने 16 राहत शिविर और वितरण केंद्र स्थापित किए हैं, जहां 7000 से अधिक लोग शरण लिए हुए हैं। फसल और पशुधन को भारी नुकसान हुआ है। करीब 791 हेक्टेयर कृषि भूमि जलमग्न हो गई है। लगभग 76 हजार पशु प्रभावित हुए हैं और 194 पशुओं के बह जाने की जानकारी मिली है। सड़क और अन्य ढांचागत नुकसान भी व्यापक पैमाने पर हुए हैं। 22 सड़कों, एक पुल, कई तटबंधों और सिंचाई नहरों को नुकसान पहुंचा है। स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्रों की इमारतें भी प्रभावित हुई हैं। गुवाहाटी और अन्य जिलों में शहरी बाढ़ के चलते करीब 10 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, अग्निशमन सेवा और स्थानीय प्रशासन की टीमें राहत और बचाव कार्यों में जुटी हैं। मौसम विभाग ने और बारिश की चेतावनी दी है, ऐसे में राज्य प्रशासन सतर्क है और नुकसान को कम करने के प्रयास जारी हैं।

बाढ़ : सीएम ने नदी...

चुकी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शर्मा से फोन पर बात की और राज्य में बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी ली तथा हरसंभव सहायता की पेशकश की। बाढ़ और भूस्खलन से सड़क परिवहन, रेल यातायात और नौका सेवाएं भी प्रभावित हुईं। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने गंभीर बाढ़ की स्थिति के मद्देनजर राज्य के लिए *ऑरेंज अलर्ट* जारी किया है क्योंकि ब्रह्मपुत्र और बराक सहित 10 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

सिक्किम में फंसे ...

कहा गया है कि राज्यपाल ने मुख्य सचिव पीके सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इंफाल में कांगला नोंगपोक थोंग, लैरिक्येंगबाम लेइकाई और सिंगजामेई ब्रिज का दौरा किया और समग्र स्थिति का आकलन किया। एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार तक कुल 3275 इलाके या गांव भारी बारिश से प्रभावित हुए हैं। दो लोग घायल भी हुए हैं और 64 जानवरों की मौत भी हुई है। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक कुल 12 भूस्खलन हुए हैं। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि चेकोन क्षेत्र में इंफाल नदी के उफान पर आने के बाद ऑल इंडिया रेडियो इंफाल परिसर और सरकारी जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान सहित कई कार्यालयों और प्रतिष्ठानों के परिसर में जलभराव की खबर है। इसके साथ ही, उत्तरी सिक्किम में भारी बारिश के बाद हुए भूस्खलन के कारण प्रमुख सड़कें अवरुद्ध होने से शनिवार को करीब 1500 पर्यटक फंस गए। इस बीच, शनिवार को हुई भारी बारिश के कारण 8 लापता पर्यटकों की तलाशी अभियान में बाधा उत्पन्न हुई। गुरुवार को मंगन जिले में लाचेन-लाचुंग राजमार्ग पर मुन्सिथांग के पास एक वाहन के 1 हजार फीट से अधिक गहराई में नदी में गिरने के बाद पार्यटक लापता हो गए थे। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए।

जोरहाट सेना छावनी...

को धुबड़ी और गुवाहाटी में कई आपराधिक गतिविधियों से भी जोड़ा है। हालांकि, भारतीय सेना ने इस घटना के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन स्थानीय रिपोर्ट्स से पता चला है कि इस्लाम कुछ समय से दुश्मन देश के संपर्क में था।

असम ने पहलगाम में ...

नागरिक जो जीविकोपार्जन के लिए कड़ी मेहनत करते हैं, वे हिंसक उग्रवाद का शिकार बन जाते हैं। असम सरकार का हस्तक्षेप जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुई सुरक्षा घटनाओं के बाद उभरे अंतरराज्यीय समर्थन तंत्र को उजागर करता है। असम गण परिषद (अगप) के वरिष्ठ नेता बोरा के साथ शोक यात्रा के दौरान बोकाखाट सीडीसी शिवानी जेरंगल और जम्मू-कश्मीर सरकार के अधिकारी भी मौजूद थे। वित्तीय सहायता को अधिकारी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों के प्रति *विनम्र श्रद्धांजलि* कहते हैं। असम कैबिनेट द्वारा राज्य की सीमाओं से परे सहायता प्रदान करने का निर्णय आतंकवादी घटनाओं के प्रति व्यापक राष्ट्रीय प्रतिक्रिया को दर्शाता है। बोरा ने आतंकवाद के खिलाफ सरकार के सख्त रुख पर जोर दिया और हाल ही में हुए सैन्य अभियानों को भारत की शून्य-सहिष्णुता नीति का सबूत बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में भारत दृढ़ है - आतंकवाद या उसके समर्थकों के लिए कोई दया नहीं होगी। पहलगाम की घटना ने विभिन्न राज्य सरकारों की प्रतिक्रिया को प्रेरित किया है, जिसमें असम पीड़ितों के परिवारों के लिए ठोस वित्तीय सहायता की घोषणा करने वाला पहला राज्य बन गया है। इस हमले में नागरिकों को निशाना बनाया गया, जिसमें शाह जैसे स्थानीय सेवा प्रदाता भी शामिल थे, जो इस क्षेत्र में पर्यटकों के लिए टट्टू की सवारी का संचालन करते थे।

असम की बिनीता छेत्री...

को वोट देने और उनकी यात्रा को आशीर्वाद देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि भारत, नेपाल, भूटान और अन्य एशियाई देशों से मिले प्रोत्साहन से उन्हें वैश्विक मंच पर आगे बढ़ने की ताकत मिली। मुख्यमंत्री शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बिनीता ने कहा कि वह उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलना चाहती हैं और उनके समर्थन और आशीर्वाद के लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि यह संदेश उन तक पहुंचेगा और मुझे उनसे मिलने का अवसर मिलेगा। बिनीता ने कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद (केएएसी) के मुख्य कार्यकारी सदस्य तुलीराम रोंगहांग से प्राप्त सहयोग की भी सराहना की, जिन्होंने उनकी अंतिम तैयारियों के लिए 5 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की, और स्थानीय विधायक और असम विधानसभा के उपाध्यक्ष नुमाल मोमिन ने भी सहयोग प्रदान किया। बोकाजान के निकट तलबलिजान गांव से आने वाली बिनीता के पिता अमर छेत्री एक छोटा सा ब्रॉयलर मुर्गी फार्म चलाते हैं और साथ ही सामाजिक और सामुदायिक कार्यों में भी सक्रिय रूप से शामिल रहते हैं। बीजीटी बिनीता छेत्री सहायता समूह की समन्वयक नंदा कीर्ति दीवान ने बताया कि अपनी बेटी की प्रतिभा को पहचानते हुए उन्होंने उसकी मौसी अमृता देवी और कोरियोग्राफर हार्दिक रावत के मार्गदर्शन में पहले गुवाहाटी और फिर जयपुर में उसके लिए नृत्य प्रशिक्षण की व्यवस्था की। बिनीता के जटिल नृत्य, जिसमें बैकफ्लिप जैसे शारीरिक रूप से कठिन कदम शामिल थे, ने बीजीटी में अपनी यात्रा के दौरान जजों और दर्शकों से तालियां बटोरीं बिनीता ने शनिवार रात आयोजित रियलिटी शो के फिनाले में दूसरा रनर-अप स्थान हासिल किया, उनके परिवार ने दावा किया कि वह शो के अंतिम चरण में पहुंचने वाली भारत की पहली प्रतियोगी हैं। प्रतियोगिता ब्रिटिश जादूगर हैरी मोल्डिंग ने जीती, जबकि दूसरा स्थान एलईडी डांस ग्रुप द *ब्लैकआउट्स* को मिला।

देश में कोरोना के ...

कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे है। केरल में सबसे ज्यादा 1400, महाराष्ट्र में 485 और दिल्ली में 436 कोरोना के मामले हैं। देश में कोरोना के 4 नए वैरिएंट मिले हैं। आईसीएमआर के मुताबिक दक्षिण और पश्चिम भारत में कोरोना के चार नए वैरिएंट की पहचान हुई है। इनमें एलएफ.7, एक्सेफजी, जे एन 1 और एंबी.1.8.1 शामिल हैं। जेएन.1 भारत में सबसे आम वैरिएंट बन गया है, जो टेस्टिंग में 50 प्रतिशत से ज्यादा सैंपल में मिला है। यह ओमिक्रॉन के बी ए.2.86 का स्ट्रेन है और इम्यूनिटी को कमजोर करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हालांकि इसे *वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट* की श्रेणी में रखा है, लेकिन इन वैरिएंट को बहुत चिंताजनक नहीं माना है।

कोकराझाड़ में खेत...

दहशत फैल गई। सूत्रों ने बताया कि शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, आग बांस और अन्य सामग्रियों वाले भंडारण क्षेत्र से लगी है। हालांकि, आग लगने के पीछे का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए दमकल की गाड़ियां लगाई गई हैं, जबकि पुलिस ने भी कारण जानने के लिए जांच शुरू कर दी है।

राज्य में भाजपा ...

भूमि हड़पने और ठेकेदार विशेष फ्लाईओवर ने गुवाहाटी के आम लोगों की जरूरतों पर प्राथमिकता ले ली है। असम कांग्रेस के मनोनीत अध्यक्ष गौरव गोगोई ने रविवार (1 जून, 2025) को भाजपा नीत राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ मोर्चा केवल सत्ता, धन, भूमि और सिंडिकेट से चिंतित है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की राजधानी गुवाहाटी में विनाशकारी बाढ़ और जलभराव ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है, जिसका मुख्य कारण सत्तारूढ़ पार्टी के करीबी मंत्रियों और लोगों द्वारा आर्द्रभूमि पर अतिक्रमण है। गोगोई ने सुबह शिवसागर से नगांव तक जुलूस की शुरुआत की। 250 किलोमीटर लंबी यात्रा के दौरान हजारों समर्थकों के साथ यह काफिला जोरहाट और गोलाघाट से होते हुए शाम को मध्य असम जिले में प्रवेश करेगा। उन्होंने शिवसागर शहर में ऐतिहासिक शिव दौल (मंदिर) का दौरा करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि यह सरकार सत्ता, धन, भूमि हड़पने और सिंडिकेट में गहराई से डूबी हुई है। अनियोजित निर्माण, भूमि हड़पने और ठेकेदार विशेष फ्लाईओवर ने गुवाहाटी के आम लोगों की जरूरतों पर प्राथमिकता ले ली है। असम की राजधानी में शुक्रवार को भारी बारिश के बाद लोगों को भयावह स्थिति का सामना करना पड़ा। भारी बारिश के कारण लगभग सभी सड़कें और कई रिहायशी इलाके जलमग्न हो गए। दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण सभी इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया है, जबकि कुछ जगहों पर तो यह छाती तक पहुंच गया है। गोगोई ने कहा कि गुवाहाटी में भाजपा की नीति धन और भूमि के लालच पर आधारित है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा लंबे समय तक गुवाहाटी विकास मंत्री थे। अब उनके करीबी सहयोगी मंत्री हैं। लेकिन भाजपा के मंत्रियों को जल निकायों के संरक्षण और जल निकासी व्यवस्था के निर्माण से ज्यादा अपने घर तक सड़क की चिंता है। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता ने आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री जयंतमल्ल बरुआ के बोंडाजन चैनल के पास स्थित घर का उल्लेख किया, जिसके एक हिस्से पर कथित तौर पर उनके आवासीय परिसर तक कंक्रीट की सड़क बनाने के लिए अतिक्रमण किया गया है। लोकसभा सांसद ने कहा कि हम राज्य भर में एक-एक करके सभी भ्रष्टाचार को उजागर करेंगे। आने वाले दिनों में गुवाहाटी विकास के विभिन्न विभागों में व्याप्त भारी भ्रष्टाचार भी उजागर होगा। उन्होंने यह भी कहा कि असम में हाल ही में हुए पंचायत चुनावों के दौरान सभी विपक्षी दलों का प्रदर्शन उम्मीद से कम रहा। उन्होंने कहा कि सभी विपक्षी दलों को अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और कांग्रेस भी ऐसा कर रही है। विपक्षी दलों में कांग्रेस सबसे शक्तिशाली है। विपक्षी मोर्चे को मजबूत करने के लिए हमें कांग्रेस को मजबूत करना होगा। असम कांग्रेस के मनोनीत अध्यक्ष गौरव गोगोई ने रविवार (1 जून, 2025) को भाजपा नीत राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ मोर्चा केवल सत्ता, धन, भूमि और सिंडिकेट से चिंतित है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की राजधानी गुवाहाटी में विनाशकारी बाढ़ और जलभराव ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है, जिसका मुख्य कारण सत्तारूढ़ पार्टी के करीबी मंत्रियों और लोगों द्वारा आर्द्रभूमि पर अतिक्रमण है। गोगोई ने सुबह शिवसागर से नगांव तक जुलूस की शुरुआत की। 250 किलोमीटर लंबी यात्रा के दौरान हजारों समर्थकों के साथ यह काफिला जोरहाट और गोलाघाट से होते हुए शाम को मध्य असम जिले में प्रवेश करेगा। उन्होंने शिवसागर शहर में ऐतिहासिक शिव दौल (मंदिर) का दौरा करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि यह सरकार सत्ता, धन, भूमि हड़पने और सिंडिकेट में गहराई से डूबी हुई है। अनियोजित निर्माण, भूमि हड़पने और ठेकेदार विशेष फ्लाईओवर ने गुवाहाटी के आम लोगों की जरूरतों पर प्राथमिकता ले ली है। असम की राजधानी में शुक्रवार को भारी बारिश के बाद लोगों को भयावह स्थिति का सामना करना पड़ा। भारी बारिश के कारण लगभग सभी सड़कें और कई रिहायशी इलाके जलमग्न हो गए। दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण सभी इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया है, जबकि कुछ जगहों पर तो यह छाती तक पहुंच गया है। गोगोई ने कहा कि गुवाहाटी में भाजपा की नीति धन और भूमि के लालच पर आधारित है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा लंबे समय तक गुवाहाटी विकास मंत्री थे। अब उनके करीबी सहयोगी मंत्री हैं। लेकिन भाजपा के मंत्रियों को जल निकायों के संरक्षण और जल निकासी व्यवस्था के निर्माण से ज्यादा अपने घर तक सड़क की चिंता है। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता ने आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री जयंत मल्ल बरुआ के बोंडाजन चैनल के पास स्थित घर का उल्लेख किया, जिसके एक हिस्से पर कथित तौर पर उनके आवासीय परिसर तक कंक्रीट की सड़क बनाने के लिए अतिक्रमण किया गया है। लोकसभा सांसद ने कहा कि हम राज्य भर में एक-एक करके सभी भ्रष्टाचार को उजागर करेंगे। आने वाले दिनों में गुवाहाटी विकास के विभिन्न विभागों में व्याप्त भारी भ्रष्टाचार भी उजागर होगा। उन्होंने यह भी कहा कि असम में हाल ही में हुए पंचायत चुनावों के दौरान सभी विपक्षी दलों का प्रदर्शन उम्मीद से कम रहा। उन्होंने कहा कि सभी विपक्षी दलों को अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और कांग्रेस भी ऐसा कर रही है। विपक्षी दलों में कांग्रेस सबसे शक्तिशाली है। विपक्षी मोर्चे को मजबूत करने के लिए हमें कांग्रेस को मजबूत करना होगा। इससे पहले दिन में गोगोई ने शिवसागर में वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इसके बाद उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के शहीद पियोली फुकन की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की और शिव दौल में प्रार्थना की। इसके बाद उन्होंने डौल से रंग घर चरियाली तक एक विशाल जनसमूह का नेतृत्व किया। इसके बाद उन्होंने अपना अंतर-जिला जुलूस शुरू किया, जो राज्य के ऊपरी और मध्य भाग के कई जिलों से होकर गुजरा। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि शनिवार से सोमवार तक गोगोई जोरहाट, शिवसागर, चराइदेउ, गोलाघाट और नगांव जिलों के 18 विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करेंगे। वह आज आधी रात के आसपास नगांव पहुंचेंगे और रात वहीं रुकेंगे। जोरहाट के सांसद का शनिवार को जोरहाट हवाई अड्डे पर असम विधानसभा में विपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और बड़ी संख्या में कांग्रेस समर्थकों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। सोमवार को नवनियुक्त असम कांग्रेस प्रमुख नगांव में पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलेंगे और फिर गुवाहाटी के लिए रवाना होंगे जहां वह पार्टी मुख्यालय जाएंगे। वह मंगलवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलेंगे और आधिकारिक तौर पर असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष का कार्यभार संभालेंगे। गोगोई ने भूपेन कुमार बोरा का स्थान लेते हुए राज्य अध्यक्ष का पद संभाला है और वह ऐसे समय में राज्य चुनावों में पार्टी का नेतृत्व करेंगे जब मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा उनकी ब्रिटिश पत्नी के पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई के साथ कथित संबंधों को लेकर उन पर हमला कर रहे हैं।

पूर्व पीएम हसीना...

विरोध प्रदर्शनों को क्रूर तरीके से नियंत्रित करने का प्रयास करने का आरोप लगाये जाने के बाद तीन सदस्यीय आईसीटी पीठ ने कहा कि हम आरोपों को संज्ञान में लेते हैं। न्यायाधिकरण ने इसके साथ ही हसीना और तत्कालीन गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल के खिलाफ नया गिरफ्तारी वारंट जारी किया। मामले में तीसरे आरोपी एवं तत्कालीन पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून इस समय हिरासत में हैं और उनकी उपस्थिति में मुकदमा चलेगा। बांग्लादेश के इतिहास में पहली बार न्यायाधिकरण की कार्यवाही का टेलीविजन पर सीधा प्रसारण किया गया। हिंसक आंदोलन के बाद पिछले वर्ष पांच अगस्त को सत्ता से हटीं हसीना के खिलाफ बांग्लादेश में कई मुकदमे चलाए जा रहे हैं। बांग्लादेश के आईसीटी ने इससे पहले तब हसीना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था जब अंतरिम सरकार ने एक राजनयिक नोट में भारत से उन्हें प्रत्यर्पित किए जाने की मांग की थी। भारत ने राजनयिक नोट प्राप्त होने की बात स्वीकार की है कि लेकिन और कोई टिप्पणी नहीं की है।

भारत की शांति ...

यह बयान उसी दिन आया जब प्रधानमंत्री मोदी ने अलीपुरद्वार से एक जनसभा में राज्य सरकार और तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार, महिलाओं की सुरक्षा और हिंदुओं पर अत्याचार जैसे मुद्दों पर तीखा प्रहार किया था। गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर कांटेदार बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को भूमि आवंटित नहीं की। उन्होंने दावा किया कि वह अवैध घुसपैठ जारी रखना चाहती हैं ताकि उनकी सरकार बनी रहे और बाद में उनका भतीजा मुख्यमंत्री बने। अमित शाह ने वादा किया कि अगर वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा सत्ता में आती है, तो पार्टी कार्यकर्ताओं की हत्याओं में शामिल लोगों को खोजकर सजा दिलाई जाएगी। राज्य में प्रशासन के हर स्तर पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस के नेता इससे लाभान्वित हुए जबकि आम लोग पीड़ित हुए। उन्होंने मुर्शिदाबाद में हुए दंगों का जिक्र करते हुए कहा कि यदि पहले ही केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई होती, तो हिंदुओं की जान बचाई जा सकती थी। शाह ने यह भी आरोप लगाया कि इन दंगों में तृणमूल के चुने हुए प्रतिनिधियों की संलिप्तता अब साबित हो चुकी है।

नेपाल में राजशाही ...

किया। काठमांडू स्थित नारायणहिटी पैलेस के आसपास प्रदर्शन और सार्वजनिक सभाओं पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस जगह के आसपास भारी तादाद में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। काठमांडू घाटी पुलिस के प्रवक्ता एपिल बोहोरा ने बताया कि आरपीपी अध्यक्ष और राजशाही के कट्टर समर्थक राजेंद्र लिंगडेन विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे, जब प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा घेरा तोड़कर प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास बलुवाटर की ओर बढ़ने की कोशिश की तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान राजेंद्र लिंगडेन की पुलिस के साथ झड़प भी हुई। बोहरा ने कहा कि थापा और अन्य को नारायणहिती पैलेस संग्रहालय क्षेत्र के आसपास प्रतिबंधित क्षेत्र का उल्लंघन करने के लिए गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि लगभग 1,200 राजशाही समर्थकों ने गणतंत्र प्रणाली के खिलाफ और राजशाही के पक्ष में नारे लगाते हुए विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अपने हाथों में पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह की तस्वीरें ले रखी थीं। उन्होंने प्रधानमंत्री के पी ओली के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा कि जब तक नेपाल में राजशाही बहाल नहीं हो जाती, वो लोग अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे।

डीआरआई ने मिजोरम ...

रविवार को इस संबंध में जानकारी साझा की गई। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह प्रतिबंधित मादक पदार्थ म्यांमार से भारत-म्यांमार सीमा के जोखावथर सेक्टर के माध्यम से मिजोरम में लाया गया था। डीआरआई के अधिकारियों को 10 पैकेट मिले, जिनमें तस्करी की गई यह दवा छिपाई गई थी। इन पैकेटों को वाहन की पीछे की सीट पर एक कोटर/कक्ष में चालाकी से रखा गया था। बरामद की गई दवा और वाहन दोनों को जब्त कर लिया गया है। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। जनवरी 2025 से अब तक डीआरआई ने मिजोरम में 72 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की मेथामफेटामाइन और हेरोइन जब्त की है। इस दौरान 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एनडीपीएस अधिनियम के तहत दोषियों के लिए 10 साल तक के कठोर कारावास का प्रावधान है। डीआरआई की यह कार्रवाई नशीली दवाओं की तस्करी के खिलाफ सख्त कदम है।

राष्ट्र-विरोध के आरोपी दो और गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस ने अब तक दुश्मन राष्ट्र का समर्थन करने वाले 81 लोगों को जेल भेजा दिया है। इसकी पुष्टि रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है। मुख्यमंत्री ने बताया है कि असम में *राष्ट्र-विरोधी* होने के आरोप में दो और व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिससे अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद से इस तरह की गिरफ्तारियों की कुल संख्या 81 हो गई। डॉ. शर्मा ने पुष्टि की कि शोणितपुर पुलिस ने मो. दिलबर हुसैन और कामरूप पुलिस ने हफिजुर रहमान को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ सहानुभूति रखने के लिए अब 81 राष्ट्र-विरोधी सलाखों के पीछे हैं हमारा सिस्टम सोशल मीडिया पर राष्ट्र-विरोधी पोस्ट की लगातार निगरानी कर रहा है और कार्रवाई कर रहा है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले, विपक्षी पार्टी एआईयूडीएफ विधायक अमीनुल इस्लाम पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान और उसकी मिलीभगत का कथित रूप से बचाव करने के आरोप में देशद्रोह के मामले में गिरफ्तार होने वाले पहले व्यक्ति बने।

डीओएचयूए मंत्री जयंत मल्लाबरुवा ने गुवाहाटी में बाढ़ राहत और तैयारियों पर समीक्षा बैठक की

गुवाहाटी। आवास और शहरी मामलों के विभाग (डीओएचयूए) के मंत्री जयंत मल्लाबरुवा ने आज कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन, गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) और अन्य संबंधित विभागों के साथ चल रहे राहत उपायों का आकलन करने और गुवाहाटी में लगातार बारिश के कारण कृत्रिम बाढ़ के लिए तैयारियों को बढ़ाने के लिए एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। कामरूप (मेट्रो), हेंगराबाड़ी के जिला आयुक्त के कार्यालय में आयोजित बैठक में तत्काल प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल, आवश्यक राहत सामग्री के वितरण और बाढ़ प्रभावित नागरिकों को समय पर सहायता सुनिश्चित करने के लिए विभागों के बीच समन्वय को सुव्यवस्थित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक के बाद मंत्री ने मीडिया से कहा कि राहत सामग्री का समय पर वितरण सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जलभराव और बिजली कटौती से प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित वितरण के लिए मच्छर भगाने वाली दवाइयां, मोमबत्तियां, सैनिटरी नैपकिन और शिशु आहार जैसी वस्तुओं को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि अब बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों में राहत सामग्री पहले से ही ऊंचे स्थानों पर रखी जाएगी ताकि बाढ़ आने के 2 से 3 घंटे के भीतर वे प्रभावित परिवारों तक पहुंच सकें। अतीत में सामना की गई रसद चुनौतियों को स्वीकार करते हुए, उन्होंने आश्वासन दिया कि सुधारात्मक कदम पहले से ही चल रहे हैं और हम भविष्य की प्रतिक्रियाओं को बेहतर बनाने के लिए हर स्थिति से सीख रहे हैं। स्थानीय प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत करने के लिए, प्रत्येक जीएमसी वार्ड आयुक्त को *नगर बंधु* या *आपदा मित्र (आपदा मित्र)* के रूप में नामित 10 स्वयंसेवकों को नियुक्त करने का निर्देश दिया गया है। ये स्वयंसेवक रेनकोट और अन्य आवश्यक वस्तुओं से लैस होंगे और आपात स्थिति के दौरान वार्ड-स्तरीय आपदा प्रतिक्रिया टीमों, गाओ-बुरहास और मंडलों के साथ काम करेंगे। मंत्री ने कहा कि बड़े या पहुंचने में मुश्किल क्षेत्रों में, ये स्वयंसेवक हमारे पहले प्रतिक्रियाकर्ता होंगे, जो नागरिकों और अधिकारियों के बीच की खाई को पाटेंगे। घोषित किया गया एक अन्य बड़ा निर्णय हाल ही में आई बाढ़ में दुखद रूप से जान गंवाने वाले पांच व्यक्तियों के परिवारों को 4 लाख की अनुग्रह राशि का वितरण था। मंत्री ने भूस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों जैसे लेंस लाइट जोन में मलबा हटाने के लिए जेसीबी और अन्य मशीनरी तैयार रखने के निर्देश भी जारी किए। बाढ़ के बाद की समस्याओं को दूर करने के लिए मंत्री ने निर्देश दिया कि पानी कम होने के बाद नालों की अच्छी तरह से सफाई की जाए, क्योंकि जमा गाद से जल निकासी की क्षमता में काफी कमी आती है। नाले की सफाई और आपातकालीन बाढ़ प्रतिक्रिया की निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए वार्ड आयुक्तों, स्थानीय निवासियों और अधिकारियों वाली विशेष सार्वजनिक समितियों का गठन किया गया है। मंत्री बरुवा ने कहा कि हम तत्काल राहत और दीर्घकालिक शमन प्रयासों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। सभी विभागों और स्थानीय निकायों के साथ मिलकर हम गुवाहाटी को सुरक्षित और अधिक लचीला बनाने के लिए एक समन्वित आपदा प्रबंधन रणनीति के साथ आगे बढ़ रहे हैं। बैठक के दौरान जीएमसी मेयर मिरगेन सरानिया, कामरूप (मेट्रो) के जिला आयुक्त सुमित सत्तावन, जीएमसी पार्षद, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

ऑपरेशन *घोस्ट सिम* में एक और मुख्य आरोपी गिरफ्तार अब तक 11 गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। ऑपरेशन *घोस्ट सिम* के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) असम ने एसटीएफ थाना केस नंबर 02/2025 में एक और मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि शनिवार की रात को एसटीएफ असम और धुबड़ी जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए मोस्तफा रहमान (29) को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई गजराज मिलिट्री इंटेलिजेंस द्वारा प्रदान की गई इनपुट के आधार पर की गई। ऑपरेशन के दौरान जब्त की गई सामग्रियों में एक लैपटॉप, दो मोबाइल फोन, तीन माइक्रो एटीएम मशीनें, एक बायोमेट्रिक डिवाइस, छह एटीएम कार्ड, 11 मतदाता पहचान पत्र, एक आधार कार्ड तथा एक पैन कार्ड शामिल हैं। इस गिरफ्तारी के साथ *ऑपरेशन घोस्ट सिम* में अब तक गिरफ्तार आरोपियों की कुल संख्या 11 हो गई है। आरोपी से पूछताछ जारी है।

राज्य चुनाव आयुक्त को राज्यपाल ने दिलाई शपथ

गुवाहाटी (हिंस)। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने रविवार को राजभवन में आयोजित एक समारोह में रंजन शर्मा को राज्य चुनाव आयुक्त के रूप में शपथ दिलाई। इससे पहले, असम सरकार के मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा ने राज्यपाल से समारोह की कार्यवाही शुरू करने की अनुमति मांगी। शपथ ग्रहण समारोह में अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. जेबी एक्का, अतिरिक्त मुख्य सचिव कल्याण चक्रवर्ती, राज्यपाल के आयुक्त एवं सचिव एसएस मीनाक्षी सुन्दरम, वित्त विभाग के आयुक्त एवं सचिव वीरेन्द्र मित्तल सहित सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जंगली हाथी के हमले में एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत

तामुलपुर (हिंस)। तामुलपुर के बगाजुली के सालबाड़ी गांव में जंगली हाथी के हमले में एक बुजुर्ग व्यक्ति की जान चली गई। मृतक की पहचान सनेश्वर ब्रह्म (75) के रूप में हुई है। हाथियों के झुंड से निकलकर अकेले आए दाताल हाथी ने एक व्यक्ति के घर की बाड़ तोड़कर घर में रखे धान को खाने लगा। बुजुर्ग व्यक्ति ने टॉर्च जलाकर हाथी को भगाने की कोशिश की। इसी दौरान घर के अंदर से सुनेश्वर ब्रह्म नामक व्यक्ति को खींचकर हाथी ने पैरों तले कुचलकर मार दिया। गुस्साए हाथी ने ब्रह्म को कुचलकर मारने भर से ही संतुष्ट नहीं हुआ, बल्कि शवो को पास में बने तालाब में फेंक दिया। यह हादसा देर रात करीब एक बजे के आसपास होना बताया गया है। बारिश के बीच गांव में हाथियों का एक झुंड प्रवेश किया था। इस बीच हाथियों के लिहाज से अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्र होने के चलते लोगों की मांग है कि सरकार जल्द से जल्द वन विभाग को उचित वाहन प्रदान करे।

प्रदेश भाजपा का मुखपत्र *असमिया बीजेपी वार्ता* का विमोचन

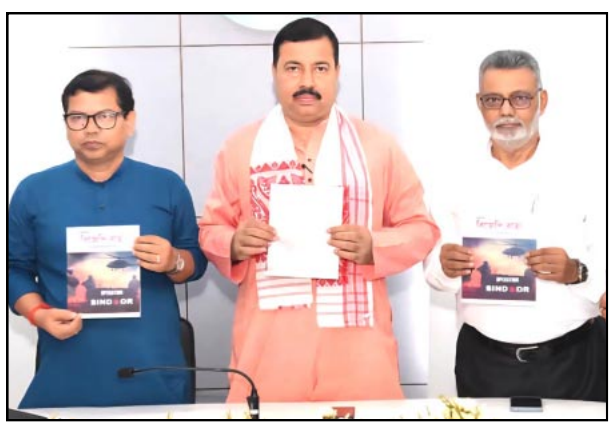

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी, असम प्रदेश के राज्यिक मुख्यालय *अटल बिहारी वाजपेयी भवन* में आज जून महीने के *असमिया बीजेपी वार्ता* के नए अंक का औपचारिक विमोचन किया गया। यह विमोचन पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता मनोज बरुवा ने कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर *असमिया बीजेपी वार्ता* संकलन समिति के सदस्य व भाजपा असम प्रदेश के मीडिया पैनलिस्ट डॉ. देवजीत महंत की देखरेख में आयोजित कार्यक्रम में बरुवा ने कहा कि भाजपा एक विशिष्ट चरित्र वाली राजनीतिक पार्टी है, जिसकी नींव हजारों वर्षों की सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित है। उन्होंने बताया कि इस मुखपत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ पार्टी के दर्शन, विचार और आदर्श भी प्रतिबिंबित होते हैं। बरुवा ने यह भी कहा कि यह मुखपत्र असम प्रदेश भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं को वैचारिक सामग्री प्रदान करने में सक्षम होगा। उल्लेखनीय है कि इस बार से हर अंक में भाजपा असम प्रदेश के पूर्ववर्ती अध्यक्षों की जीवनियां क्रमवार प्रकाशित की जाएंगी। इस बार के अंक में प्रदेश के संस्थापक अध्यक्ष कर्नल उमानाथ शर्मा की जीवनी प्रकाशित की गई है।

कलाखोवा गांव में घुसा डिफलू नदी का पानी

गोलाघाट (हिंस)। पहाड़ी डिफलू नदी के बाढ़ का पानी गोलाघाट जिलांतर्गत बोकाखात के कलाखोवा गांव में अचानक बीती मध्य रात्रि को प्रवेश कर गया, जिसके चलते गांव का माहौल बहुत ही विकट हो गया है। रात के समय अचानक आई बाढ़ के पानी में किसी को भी घर के जरूरी सामान तक को समेटने का मौका नहीं मिला। सिर्फ अपनी जान बचाने के लिए लोगों ने कलाखोवा प्राथमिक विद्यालय में शरण ली है। डिफलू नदी का पानी कुछ कम होने के बाद आज सुबह जब लोग अपने घर पहुंचे तो गांव के प्रत्येक घर का हाल देखकर बेहद परेशान नजर आए। अचानक उत्पन्न परिस्थिति में पश्चिम कलाखोवा गांव के प्रत्येक घर की स्थिति वर्णन करने लायक नहीं रह गई है। जो लोग कभी बाढ़ का सामना नहीं कर पाए थे, उनमें से कुछ के घर की नींव बैठ गयी, जबकि कुछ के घर की दीवारें गिर गई हैं। अचानक आई बाढ़ में कुछ घरों के गृहस्वामियों को अपनी बाइक, स्कूटी, ई-रिक्शा आदि को सुरक्षित स्थान पर ले जाने तक का भी समय नहीं मिल पाया। बाढ़ के पानी में बाइक, स्कूटी, ई-रिक्शा आदि डूब गए। इतना ही नहीं घर में रखा बिस्तर, फ्रिज, अलमीरा आदि में भी पानी भर गया है, जिसके चलते स्थिति बेहद परेशानी वाली उत्पन्न हो गई है। अपने सपनों के घर को बाढ़ से बर्बाद होते देख एक गृहिणी भावुक होकर रोने लगी। आज सुबह ग्रामीणों ने बताया है कि सूचना दिए जाने के बावजूद सुबह सरकारी अधिकारी गांव में नहीं पहुंचे, हालांकि पीड़ितों ने सरकार और प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग की है।

उपनिवेशिक, वाम मानसिकता से पत्रकारिता दिशाभ्रष्ट : डॉ. त्रिपाठी

गुवाहाटी (हिंस)। उपनिवेशकालीन मानसिकता और वामपंथी दृष्टिकोण से प्रभावित पत्रकारिता आज दिशाभ्रष्ट हो चुकी है, ऐसा मानना है वरिष्ठ पत्रकार डॉ. हर्षवर्धन त्रिपाठी का। उन्होंने कहा कि नारदजी के पास कोई महल नहीं था, न ही वे इंद्र के राजमहल में जाकर सत्ता-पोषित पत्रकारिता करते थे। लेकिन आज की मीडिया अंग्रेज शासकों के नक्शे कदम पर चलने की कोशिश कर रही है, जो चिंताजनक है। हाल की वैश्विक अशांति के माहौल में देशविरोधी पत्रकारिता का स्वरूप निराशाजनक बन चुका है। डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि पहलगाम की घटना को *धार्मिक कटुता* का परिणाम कहने वाले पत्रकार इस्लामी आतंकवाद कहने से क्यों डरते हैं? भारतीय स्वदेशी तकनीक से पाकिस्तान की धरती पर नष्ट किए गए वैश्विक हथियारों को झूठा बताने वाले नेता और पत्रकार, वास्तव में भारत के आत्मविश्वास को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। विश्व संवाद केंद्र, असम की ओर से रविवार को गुवाहाटी के बरबाड़ी स्थित सुदर्शनालय में आयोजित देवर्षि नारद जयंती में डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय समाज की समता-नीति के विरुद्ध बाएं झुके पत्रकारिता की दिशा गलत हो रही है। गांधीजी और डॉ. अंबेडकर के विचारों को भी तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया जा रहा है। ऐसा समय है जब पत्रकारों को नारद की तरह नैतिकता अपनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि असम में डिटेंशन कैंपों का विरोध करने वाले चीन के यातना शिविरों पर चुप रहते हैं। फेक न्यूज और फेक्ट-चेक की आड़ में आज पत्रकारों को आचरण की शुद्धता दिखानी चाहिए। इस अवसर पर बाल साहित्यकार एवं *मौचाक* और *नतुन आविष्कार* के संपादक शांतनु तामुली को देवर्षि नारद सम्मान से नवाजा गया। उन्हें चेलेंग चादर, स्मृति चिन्ह, पुस्तक, भारतमाता की प्रतिमा, मानपत्र और 50 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया। शांतनु तामुली ने इसे *असमिया बाल साहित्य के लिए समकालीन प्रेरणा* बताया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि डॉ. त्रिपाठी को विश्व संवाद केंद्र, असम के उपाध्यक्ष गुरुप्रसाद मेधी ने फूलम गामोछा, अरनाई, सराय और ग्रंथ देकर सम्मानित किया। साथ ही वरिष्ठ उपसंपादक हिमांशु पाठक, प्राग न्यूज के इनपुट एडिटर दिगंत सहरिया और नियमिया वार्ता के स्टाफ रिपोर्टर खनिन डेका को भी विशेष सम्मान प्रदान किया गया। विश्व संवाद केंद्र, असम के सचिव किशोर शिवम ने अपने वक्तव्य में भारतीय संस्कृति में *नारद* शब्द के महत्व और उनके पत्रकारिता संबंधी योगदान को रेखांकित किया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष डॉ. गौरांग शर्मा, आरएसएस के असम प्रांत के प्रचार प्रमुख डॉ. सुनील मोहंती, असम प्रकाशन परिषद के सचिव प्रमोद कलिता समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

टियक के जांजीमुख में बाढ़ का तांडव, आठ गांवों का संपर्क टूटा

जोरहाट (हिंस)। इस वर्ष की पहली बारिश में राज्य में बाढ़ की स्थिति भयावह रूप धारण कर चुकी है। बाढ़ के चलते जोरहाट जिला के टियक स्थित जांजीमुख क्षेत्र के निवासियों को भयावह स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। पिछले कुछ दिनों की बेतहाशा बारिश के कारण ब्रह्मपुत्र के पानी में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे कई गांव जलमग्न हो गए हैं। इस बीच, क्षेत्र के 20 से अधिक गांव बाढ़ के पानी में डूब चुके हैं। इस बीच जांजीमुख की जांजी नदी पर स्थित बोरालिमारा, प्लेटफॉर्म क्षेत्र में लोगों के यातायात के लिए बनाए गए बांस का पुल का पानी की तेज धारा में बह गया, जिसके चलते 8 गांवों का संपर्क टूट गया है। उल्लेखनीय है कि असम सरकार की कैबिनेट ने उक्त प्लेटफार्म क्षेत्र में एक पक्का पुल निर्माण का निर्णय लिया था, हालांकि आज तक किसी भी प्रकार की प्रगति न होने से लोग नाराज हैं। अचानक आए बाढ़ के कारण लोगों के पशुधन को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले में सरकार और जिला प्रशासन से शीघ्र ठोस कदम उठाने की मांग स्थानीय लोगों ने की है।

निर्मलप्रभा बरदलै का साहित्य संस्कृति में योगदान असमिया समाज को प्रेरणा : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने प्रसिद्ध कवयित्री, गीतकार, बाल-साहित्यकार और लोक-संस्कृति की गहन शोधकर्ता स्व. निर्मलप्रभा बरदलै को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका कालजयी साहित्यिक योगदान असमिया भाषा और संस्कृति को सजीव बनाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीला बाइदेउ द्वारा रचित अर्थपूर्ण गीतों में हम अपने बचपन और किशोरावस्था की अनेक यादें ढूंढ़ सकते हैं। उनके जीवन की प्रेरणा न केवल असम के साहित्यिक और सांस्कृतिक जगत को जीवंत बनाए रखेगी, बल्कि नई पीढ़ी को भी उनकी रचनाओं पर चर्चा करने हेतु प्रेरित करेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि निर्मलप्रभा बरदलै की साहित्य साधना असम के सांस्कृतिक आत्मा को सुदृढ़ करती है ।

शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए श्री दि.जैन यूथ फेडरेशन का अभिनंदन कार्यक्रम

गुवाहाटी। श्री दिगंबर जैन यूथ फेडरेशन (अंतर्गत श्री दिगंबर जैन पंचायत) ने 10वीं एवं 12वीं कक्षा में विशेष स्थान लाभ करने वाले जैन छात्र- छात्राओं को सम्मानित करने के लिए रविवार को एटी रोड स्थित महावीर भवन धर्मस्थल में सुबह 11 बजे से एक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता यूथ के कार्यकारी अध्यक्ष विकास विनायका ने की तथा मुख्य अतिथि प्रदीप जैन एवं अन्य मंचासीन महानुभावों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का आगज किया। इसके बाद पंचायत के मंत्री वीरेंद्र कुमार सरावगी ने सभी सफल होनहार विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि लक्ष्य चाहे जितना भी ऊंचा क्यों न हो यदि कठिन परिश्रम किया जाए तो कोई भी सपना अधूरा नहीं रह सकता। यूथ के अध्यक्ष सौरभ अजमेरा ने बताया कि इस बार शिक्षा के क्षेत्र में समाज को गौरवान्वित करने वाले जिन बच्चों ने दसवीं एवं बारहवीं कक्षा में 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, उन सभी बच्चों को कार्यक्रम में प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी उच्चतम नंबर लाने वाले बच्चों ने अपनी सफलता का सूत्र बताते हुए अपने विचार एवं अनुभव साझा करते हुए अपने गुरुजनों एवं माता-पिता को अपनी सफलता का श्रेय दिया। इस अवसर पर यूथ फेडरेशन ने अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारिता के उपलक्ष में पत्रकारों को भी सम्मानित किया। प्रचार-प्रसार के सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी ने बताया कि समारोह में अभिभावकों, गणमान्य व्यक्तियों एवं समाज के कई सदस्यों की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को और भी गरिमामय बना दिया। लकी ड्रा के पुरस्कार वितरण के साथ अभिनंदन समारोह का समापन हुआ।

डूबापाड़ा में बाइक चोर गिरफ्तार, बाइक और मोबाइल बरामद

ग्वालपाड़ा (हिंस)। राजधानी की बशिष्ठ पुलिस द्वारा ग्वालपाड़ा जिला के मर्नोई थाना क्षेत्र के डूबापाड़ा इलाके में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान एक वांछित मोटरसाइकिल चोर आफतारुल इस्लाम उर्फ आशिक इकबाल को गिरफ्तार किया गया है। वह असरफ अली का पुत्र है और ग्राम राख्याशानी गरोपाड़ा पार्ट-2, थाना मर्नोई, जिला ग्वालपाड़ा का निवासी है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक चोरी की यामाहा एफजेड मोटरसाइकिल बरामद की है। इसके अलावा एक ओप्पो मोबाइल हैंडसेट भी जब्त किया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

रंगिया में सैन्य और नागरिक प्रशासन के बीच विचार-विमर्श

रंगिया (विभास)। आंतरिक एकीकरण के माध्यम से राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के मुख्य उद्देश्य से रेड हॉर्न्स डिवीजन के तत्वावधान में कल रंगिया में सैन्य और नागरिक प्रशासन के बीच विचारों का आदान-प्रदान हुआ। उम्मीद की गई है कि इससे सशस्त्र बलों और नागरिक प्रशासन के बीच सामंजस्य और मजबूत होगा। यह महत्वपूर्ण पहल असम और मेघालय के जिला प्रशासन, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी) और भारतीय सेना के प्रमुख भागीदारों को पास लाती है। समारोह की अध्यक्षता रेड हॉर्न्स डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल रोहिन बावा ने की और इसका संचालन ब्रिगेडियर अक्षय कपूर ने किया। कार्यक्रम में पांच महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई-सीमा प्रबंधन मुद्दे, सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधि, दोहरे उपयोग वाले बुनियादी ढांचे का विकास, आंतरिक सुरक्षा और मामलों का आदान-प्रदान और साथ ही आपदा प्रतिक्रिया। सेना के अधिकारियों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के प्रतिनिधियों ने भारत-बांग्लादेश और भारत-भूटान सीमाओं पर सुरक्षा स्थिति, सिलीगुड़ी कॉरिडोर के बुनियादी ढांचे और केस कलेक्शन के तरीकों के बारे में प्राथमिकताओं पर भी जानकारीपूर्ण चर्चा की। तस्करी, अनुप्रवेश, उग्रवाद और मानव तस्करी के स्थायी समाधान पर चर्चा केंद्रित रही। निगरानी, सूचना आदान-प्रदान और संयुक्त प्रतिक्रिया प्रणालियों के समन्वय को बढ़ाने, डाउकी जैसे संवेदनशील सीमा क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ाने, प्रधानमंत्री के मोबिलिटी प्लेटफॉर्म जैसे एकीकृत बुनियादी ढांचे की योजना आदि पर भी जोर दिया गया। सम्मेलन में बांग्लादेश और म्यांमार में क्षेत्रीय अस्थिरता से उत्पन्न नई आशंकाओं पर भी चर्चा हुई, जो उत्तर पूर्व की सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं। मेघालय सरकार के मुख्य सचिव, गृह (पुलिस और राजनीतिक विभाग) एफआर खारकोंगर, उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के वरिष्ठ अधिकारी और सेना के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

संपादकीय

महंगी पड़ेगी सुस्ती

निस्संदेह राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ी सुरक्षा उत्पादों की आपूर्ति में किसी भी लेट-लतीफी को बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए। खासकर ऐसे वक्त में जब देश की दो तरफ की सीमाओं पर सुरक्षा चुनौतियां बरकरार हैं। इसी आलोक में एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह की चिंताओं से सहमत हुआ जा सकता है। हाल ही में उन्होंने कहा था कि मेरे ख्याल से एक भी परियोजना तय सीमा पर पूरी नहीं होती है। निस्संदेह, यह कथन देश की स्वदेशी उत्पादों की रक्षा तैयारियों में विलंब की प्रवृत्ति की ओर इशारा करता है। देश के नेताओं का स्वदेशी सुरक्षा उत्पादों की जरूरत पर बल देना निस्संदेह, सराहनीय कदम है, लेकिन सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर उनकी समय पर आपूर्ति भी सुनिश्चित करने की जरूरत है। खासकर तेजस लड़ाकू विमान व आकाश मिसाइल प्रणाली, के बावजूद लगातार होने वाली देरी परिचालन तत्परता को बाधित करती है। निस्संदेह, लेट-लतीफी की यह प्रवृत्ति आधुनिकीकरण को पटरी से भी उतार सकती है। दरअसल, यह देरी, जो अकसर अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के चरण में ही स्वीकार कर ली जाती है, कालांतर प्रणालीगत जड़ता और अति-वायदे की संस्कृति को ही उजागर करती है। हमारे पड़ोसी देशों में तेजी से होते सैन्य आधुनिकीकरण और युद्ध तैयारियों में गहन तकनीक के इस्तेमाल होने के चलते, हमें इस सुस्ती की बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। निर्विवाद रूप से यह महज बजट या नौकरशाही की लालफीताशाही का मामला भर नहीं है। वास्तव में यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील विषय है। निस्संदेह, सरकार की ओर से घेरलू रक्षा उत्पादकता को बढ़ावा देने की पहल एक स्वागत योग्य कदम है। विगत के संकटकाल के दौरान देखने में आया है कि युद्ध व चुनौतिपूर्ण स्थितियों में हम विदेशों में अपनी जरूरत का सामान तलाशते रहे हैं। कई देशों ने मुश्किल वक्त में सामान की आपूर्ति में ना-नुकुर भी की है। कारगिल युद्ध के समय भी कुछ ऐसे अनुभव देखने में आए थे। राजग सरकार का घरेलू रक्षा उत्पादन की तरफ बढ़ाया गया कदम निस्संदेह सराहनीय है। यह उत्साहजनक है कि हमारा घरेलू रक्षा उत्पादन कुल रक्षा जरूरतों का 65 प्रतिशत हो गया है, रक्षा निर्यात 24,000 करोड़ रुपये तक बढ़ गया है। साथ ही सार्वजनिक-निजी उत्पादन का संतुलन धीरे-धीरे पक्ष में जा रहा है। वहीं आईडीईएक्स जैसी योजनाएं नवाचार को बढ़ावा दे रही हैं। उल्लेखनीय है कि अब निजी क्षेत्र कुल रक्षा उत्पादन में 21 फीसदी का योगदान दे रहा है। लेकिन जब जरूरी रक्षा उत्पादों की आपूर्ति समय पर नहीं हो पाती, तो यह हमारी रणनीतिक स्वायत्तता के लिये असहज स्थिति पैदा कर देती है। दरअसल, यह स्थिति इस घरेलु उद्योग की संरचनात्मक विसंगतियों को दूर करने की जरूरत बताती है। इस दिशा में ध्यान देने की महती जरूरत है कि कच्चे माल की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही शोध व अनुसंधान तथा विकास के लिये पर्याप्त आर्थिक संसाधन समय रहते उपलब्ध कराए जाएं। यह दृष्टव्य है कि देश के 6.81 लाख करोड़ रुपये के रक्षा बजट में मात्र 1.8 लाख करोड़ रुपये की राशि आधुनिकीकरण के लिए निर्धारित की गई है। उसमें शोध-अनुसंधान व विकास के लिये निर्धारित राशि आधुनिकीकरण के बजट में 3.94 फीसदी ही है। निश्चित रूप से जब तक इस वित्तीय संसाधनों के संतुलन को दुरुस्त नहीं किया जाता, तब तक हम समय की चुनौती का मुकाबला करने में सक्षम नहीं हो पाएंगे। निस्संदेह, देश के रक्षा क्षेत्र के तीन सार्वजनिक उपक्रमों यानी डीपीएसयू को 'मिनी रत्न' घोषित करना स्वागत योग्य कदम है। लेकिन वायुसेना प्रमुख की चेतावनी को रक्षा खरीद पारिस्थितिकी तंत्र में आमूल-चूल परिवर्तन के लिये आग्रह के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके लिये जरूरी है कि समय सीमा में पारदर्शिता, अनुबंधों के सख्ती से क्रियान्वयन और महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के प्रबंधन में गुणवत्ता को प्राथमिकता दी जाए। निश्चित रूप से रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के भारत के संकल्प को विलंबित नहीं किया जा सकता। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े उपक्रमों को गति देने की आवश्यकता है।

> देश के नेताओं का स्वदेशी सुरक्षा उत्पादों की जरूरत पर बल देना निस्संदेह, सराहनीय कदम है, लेकिन सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर उनकी समय पर आपूर्ति भी सुनिश्चित करने की जरूरत है। खासकर तेजस लड़ाकू विमान व आकाश मिसाइल प्रणाली, के बावजूद लगातार होने वाली देरी परिचालन तत्परता को बाधित करती है। निस्संदेह, लेट-लतीफी की यह प्रवृत्ति आधुनिकीकरण को पटरी से भी उतार सकती है। दरअसल, यह देरी, जो अकसर अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के चरण में ही स्वीकार कर ली जाती है, कालांतर प्रणालीगत जड़ता और अति-वायदे की संस्कृति को ही उजागर करती है। हमारे पड़ोसी देशों में तेजी से होते सैन्य आधुनिकीकरण और युद्ध तैयारियों में गहन तकनीक के इस्तेमाल होने के चलते, हमें इस सुस्ती की बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। निर्विवाद रूप से यह महज बजट या नौकरशाही की लालफीताशाही का मामला भर नहीं है। वास्तव में यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील विषय है।

अतएव नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए एमएसएमई को प्रोत्साहन देकर मजबूत बनाना जरूरी है

रोजगार-आर्थिकी की राह तय करेंगे एमएसएमई

जयंतीलाल भंडारी

> नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि छोटे उद्योगों को जरूरत के मुताबिक क्रेडिट, तकनीकी कौशल तथा विकास एवं अनुसंधान के क्षेत्र में मदद मिल जाए तो एमएसएमई रोजगार और आर्थिक विकास का बड़ा साधन बन सकते हैं। गौरतलब है कि एमएसएमई मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर इस साल मार्च तक पंजीकृत 6.2 करोड़ एमएसएमई 25.95 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई का योगदान करीब 30 फीसदी है। एमएसएमई से वर्ष 2024-25 में करीब 12.39 लाख करोड़ रुपए का निर्यात किया गया है। देश से निर्यात किए गए कुल उत्पादों में से करीब 46 फीसदी उत्पाद एमएसएमई क्षेत्र से हैं। ऐसे में भारत ने हाल ही इंग्लैंड के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) किया है और अमेरिका के अलावा अन्य कई प्रमुख देशों के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के पूर्ण होने पर एमएसएमई की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

इन दिनों देश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से संबंधित रिपोर्टों में एमएसएमई की बढ़ती मुश्किलों पर टिप्पणियां करते हुए इन्हें बढ़ती चुनौतियों से बचाने की जरूरत बताई जा रही हैं। हाल ही में प्रकाशित सिडबी की रिपोर्ट के मुताबिक अभी एमएसएमई के लिए सरल कर्ज की प्राप्ति एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। एमएसएमई की क्रेडिट मांग व पूर्ति में 30 लाख करोड़ रुपये का अंतर है। मांग के मुताबिक लोन मिलने पर एमएसएमई के तहत 5 करोड़ नए रोजगार के अवसर निर्मित होंगे। नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि छोटे उद्योगों को जरूरत के मुताबिक क्रेडिट, तकनीकी कौशल तथा विकास एवं अनुसंधान के क्षेत्र में मदद मिल जाए तो एमएसएमई रोजगार और आर्थिक विकास का बड़ा साधन बन सकते हैं। गौरतलब है कि एमएसएमई मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर इस साल मार्च तक पंजीकृत 6.2 करोड़ एमएसएमई 25.95 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई का योगदान करीब 30 फीसदी है। एमएसएमई से वर्ष 2024-25 में करीब 12.39 लाख करोड़ रुपए का निर्यात किया गया है। देश से निर्यात किए गए कुल उत्पादों में से करीब 46 फीसदी उत्पाद एमएसएमई क्षेत्र से हैं। ऐसे में भारत ने हाल ही इंग्लैंड के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) किया है और अमेरिका के अलावा अन्य कई प्रमुख देशों के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के पूर्ण होने पर एमएसएमई की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। अतएव नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए एमएसएमई को प्रोत्साहन देकर मजबूत बनाना जरूरी है। यद्यपि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप से टैरिफ की चुनौती के बीच अमेरिका के द्वारा भारत पर घोषित किए गए 26 फीसदी टैरिफ पर 90 दिनों के विराम ने भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले एमएसएमई को कुछ राहत अवश्य दी है, लेकिन अमेरिकी बाजार पर निर्भर अधिकांश एमएसएमई निर्यातक अमेरिकी खरीदारों द्वारा छूट की नई मांग और अनुबंधों पर नए सिरे से बातचीत के अलावा भुगतान में देरी जैसी चुनौतियों से अपने बचाव के लिए सरकार का रणनीतिक सहयोग जरूरी मान रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले माह 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस पर अपने संबोधन में कहा कि इस समय नए व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के पास चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ़ने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से एमएसएमई के उबारने के लिए जहां एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा, वहीं

एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में यह बात महत्वपूर्ण है कि सरकार निर्यातकों को सहारा देने के लिए 2250 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन को तेजी से लागू करने और बिना रेहन के कर्ज दिए जाने की योजना बना रही है। साथ ही चालू वित्त वर्ष 2025-26 में एमएसएमई को दिए जाने वाले कर्ज का लक्ष्य पिछले वर्ष की तुलना में करीब 20 फीसदी बढ़ाकर 17.5 लाख करोड़ रुपये किया गया है। इसी तरह एमएसएमई क्षेत्र भी नए व्यापार युग की सच्चाइयों को समझते हुए नवाचार, प्रतिस्पर्धा, क्षमता में सुधार तथा शोध की डगर पर आगे बढ़ने की तैयारी कर रहा है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि एमएसएमई के लिए निर्मित होने वाली विभिन्न चुनौतियों के मद्देनजर मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में में एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने के उद्देश्य से बहुआयामी उपायों की एक श्रृंखला प्रस्तुत की है। इसके तहत वित्तीय सहायता और खरीद नीतियों से लेकर क्षमता निर्माण और बाजार एकीकरण तक की पहलें शामिल हैं। प्रमुख पहलों में उद्यम पंजीकरण पोर्टल, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएमईजीपी, स्फूर्ति और एमएसएमई के लिए सार्वजनिक खरीद नीति शामिल हैं, जिनका उद्देश्य उद्यमिता को प्रोत्साहन देना, रोजगार बढ़ाना और अनौपचारिक क्षेत्रों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में एकीकृत करना है। उद्योगों का विस्तार करने और दक्षता में सुधार करने में मदद करने के लिए, एमएसएमई वर्गीकरण के लिए निवेश और टर्नओवर सीमा बढ़ा दी गई है। निश्चित रूप से निर्यातकों को सहारा देने के सरकार के ये कदम सराहनीय हैं। लेकिन पाकिस्तान से युद्ध के माहौल और ट्रंप के टैरिफ तूफान का मुकाबला करने और निकट भविष्य में निर्मित होने वाले उभरते अवसरों को मुट्ठी में लेने के मद्देनजर एमएसएमई को हरसंभव उपाय से मजबूत बनाना होगा। नए सिरे से एमएसएमई की क्षमताओं को उन्नत करने, संचालन को सुव्यवस्थित करने तथा किसी भी निर्यात झटके से निपटने के लिए एमएसएमई को नीतिगत समर्थन का लाभ दिए जाने के प्रयासों में तेजी लाना होगी। इससे भारत की एमएसएमई उतार-चढ़ाव भरे सफर को आगे बढ़ा सकेगी। इस बात पर भी ध्यान दिया जाना होगा कि बुनियादी ढांचे की मजबूती, अधिक लॉजिस्टिक्स सुविधाएं, कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराये जाने, ब्याज समतुल्य योजना को फिर से शुरू किया जाने तथा ऋण गारंटी कार्यक्रमों का विस्तार करने जैसे उपायों से एमएसएमई को वित्तीय राहत और स्थिरता प्रदान की जा सकती है। सरकार के द्वारा एमएसएमई को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के परिपालन में आ रही कठिनाइयों पर ध्यान देते हुए जीएसटी व्यवस्था को सरल करना होगा। एमएसएमई के हित में उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं का विस्तार किए जाने से विशेष रूप से निर्यात-उन्मुख एमएसएमई लाभान्वित होंगे। नवाचार की नई लहर एमएसएमई के लिए नया अध्याय लिख सकती है। इस बात पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा कि भारत के एमएसएमई गुणवत्ता को मुट्ठी में लेकर समकालीन डिजिटल तकनीकों को अपनाते हुए अमेरिका सहित वैश्विक बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति को रणनीतिक रूप से बढ़ा सकते हैं। ऐसे विभिन्न उपायों से भारत टैरिफ की चुनौतियों को एमएसएमई के लिए उभरते हुए नए अवसरों के दौर में बदल सकता है। हम उम्मीद करें कि एमएसएमई की बहुआयामी उपयोगिता के मद्देनजर सरकार एमएसएमई के समक्ष दिखाई देने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए तत्परता के साथ रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ेगी। हम उम्मीद करें कि देश में एमएसएमई से संबद्ध उद्यमी और निर्यातक अधिकतम प्रयासों से कम लागत पर तत्परतापूर्वक अधिकतम उत्पादन करते हुए अपनी राष्ट्रीय कर्तव्य निर्वहन भूमिका को अहम बनाते हुए दिखाई देंगे।

आप का नजरीया

डेल्टा की घातकता

हाल के वर्षों में उन तमाम घटनाओं ने हर आम भारतीय को विचलित किया, जिसमें हमने लोगों को खेलते वक्त, दफ्तर में काम करते समय, मंच पर नृत्य करते अचानक बेहोश होकर गिरते देखा। इसे साइलेंट हार्ट अटैक के रूप में देखा गया। तुरत-फुरत अस्पताल ले जाने के बाद पता चला कि उस व्यक्ति की तो मृत्यु हो चुकी है। तब कुछ लोगों ने वैक्सीन के दुष्प्रभावों का जिक्र किया, लेकिन कोई अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया। लेकिन अब एक भारतीय शोध में इस अचानक दिल की धड़कन बंद होने की वजह का पता लगाने का दावा किया गया है। यह तथ्य आईआईटी इंदौर और आईसीएमआर के सहयोग से किए गए नये शोध में सामने आया है। शोध बताता है कि कोविड-19 का डेल्टा वैरिएंट पिछले दिनों की साइलेंट हार्ट अटैक की घटनाओं की वजह बना है। साथ ही कुछ लोगों में थायराइड के अनियंत्रित होने की वजह भी इसी वैरिएंट को बताया गया है। बताया जाता है कि हाल ही में, यह शोध 'जर्नल ऑफ प्रोटिओम रिसर्च' में प्रकाशित हुआ है। यह खुलासा ऐसे समय में हो रहा है जब कोविड-19 के एक नये वैरिएंट ने एशिया और अमेरिकी देशों में लोगों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। भारत में भी कुछ मौतों के साथ इसके संक्रमण के बढ़ते मामले दर्ज किए जा रहे हैं। दरअसल, आईआईटी इंदौर और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के साझे प्रयास से हुए शोध में 3134 मरीजों के जुटाए डेटा का उपयोग करके इसे अंजाम दिया गया। जिसमें कोविड-19 की पहली और दूसरी लहर के दौरान मूल वैरिएंट, अल्फा, बीटा, गामा व डेल्टा वैरिएंट से संक्रमित रोगियों के शरीर के रसायनों में विभिन्न बदलावों से जुड़े डेटा का विश्लेषण किया गया। इसमें शारीरिक रसायनों में आए बदलाव के साथ ही स्पाइक प्रोटीन के संपर्क में आने वाले फेफड़ों और कोलन सेल का भी विश्लेषण किया गया। हालिया शोध में शोधकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि डेल्टा वैरिएंट ने हार्मोन संतुलन बिगाड़ने में बड़ी भूमिका निभायी। दरअसल, शोध में पाया गया कि डेल्टा वैरिएंट के चलते मानव शरीर में रासायनिक असंतुलन पैदा हुआ था। फलतः कैटेकोलामाइन और थायराइड हार्मोन पैदा करने की प्रक्रिया में अवरोध उत्पन्न हुआ। जिसकी वजह से कोविड से उबरे लोगों में कालांतर साइलेंट हार्ट अटैक और थायराइड में व्यवधान की स्थितियां पैदा हुई। इसी हालिया अध्ययन में यह भी खुलासा हुआ कि कोरोना के शिकार हुए लोगों में स्वस्थ होने के बावजूद, उनके शरीर में यूरिया और अमीनो एसिड मेटाबोलिज्म में व्यवधान होने की पुष्टि भी हुई है। दरअसल, अचानक होने वाली मौतों, जिसे आमतौर पर साइलेंट हार्ट अटैक कहा जाता है, में वे लक्षण नहीं दिखाई देते जो सामान्यतः हार्ट अटैक होने पर नजर आते हैं। मसलन बेचैनी, पसीना आना, सीने में दर्द होना और सांस फूलने जैसे लक्षण दिखाई नहीं दिए। इसमें व्यक्ति कटे पेड़ की तरह अचानक नीचे गिर जाता है, जब तक उसके उपचार की कोशिश होती है तब तक पता चलता है कि उसकी मृत्यु हो चुकी है। दरअसल, यह स्थिति कार्डियक अरेस्ट से भिन्न है, जिसमें दिल की धड़कन बंद होती है। चिकित्सक इस स्थिति से बचाव के लिये नियमित आधे घंटे टहलने, गैर-संक्रामक रोगों मसलन उच्च रक्तचाप व मधुमेह पर नियंत्रण, तली-भुनी चीजों व डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों से परहेज, सिगरेट-शराब से तौबा करने की सलाह दे रहे हैं। साथ ही साइलेंट हार्ट अटैक आने पर उसे तुरंत कार्डियो पल्मोनरी रिसैसिटेशन यानी सीपीआर देने की राय दे रहे हैं।

देश दुनीया से

त्याग में अपना ही नहीं, अपनों का भी भला

यह डरावना आंकड़ा न केवल चिंता उत्पन्न करता है, बल्कि यह भी इंगित करता है कि विविध प्रकार के तंबाकूजन्य नशों का या तो पूरी तरह उन्मूलन किया जाना चाहिए या कम से कम उन्हें न्यूनतम स्तर तक सीमित किया जाना आवश्यक है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु वर्ष 1988 से हर वर्ष आज के दिन विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इस संदर्भ में यह जानना भी प्रासंगिक है कि तंबाकूजन्य मौतों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 1987 में इस दिवस को मनाने की परंपरा शुरू की थी। प्रारंभ में इसे 7 अप्रैल को मनाया गया, लेकिन उसी वर्ष 31 मई को संगठन द्वारा एक प्रस्ताव पारित कर इसे स्थायी रूप से 31 मई को मनाने का निर्णय लिया गया। प्रत्येक वर्ष इस दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है, जिसके माध्यम से लोगों को तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाता है और उन्हें इससे दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाता है। यह भी बताया जाता है कि तंबाकू का सेवन केवल उपभोक्ता के लिए ही नहीं, बल्कि उनके आसपास रहने वाले लोगों के लिए भी घातक है। विडंबना यह है कि इन प्रयासों के बावजूद विश्वभर में बड़ी संख्या में लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं और वे इसकी लत से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं। यदि हम भारत की बात करें तो यहां तंबाकू उत्पादों के पैकेटों पर वैधानिक चेतावनियां प्रमुखता से अंकित की जाती हैं और अवयस्कों को इनकी बिक्री पर कानूनी रोक भी है। फिर भी, लगभग हर आयु वर्ग और लिंग के लोग इस लत के शिकार हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि नशा खत्म तो दूर, अपेक्षित रूप से घटता भी नहीं दिख रहा। विशेषज्ञों द्वारा बार-बार यह बताया जाता है कि तंबाकू का सेवन फेफड़े, यकृत, मुंह और गर्भाशय के कैंसर के अलावा अनेक यौन और हृदय रोगों का प्रमुख कारण बन सकता है, पर इसका अपेक्षित असर होता नहीं दिखता। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत में 15 वर्ष से अधिक आयु के 38 प्रतिशत से अधिक पुरुष तंबाकू का सेवन करते हैं। महिलाओं में यह आंकड़ा लगभग 9 प्रतिशत है। 15 से 49 वर्ष की आयु की 1 प्रतिशत महिलाएं और 19 प्रतिशत पुरुष शराब का सेवन करते हैं। स्पष्ट है कि समस्या केवल तंबाकू तक सीमित नहीं, बल्कि शराब की लत भी चिंताजनक स्तर पर मौजूद है। यह निष्कर्ष देश के 28 राज्यों और आठ केंद्रशासित प्रदेशों के

707 जिलों में 6.37 लाख परिवारों के सर्वेक्षण पर आधारित है। यह बताता है कि नशे की समस्या को रोकने या सीमित करने हेतु एक दीर्घकालिक और कारगर रणनीति की आवश्यकता है, जिसका एक सिरा शिक्षा से भी जुड़ता है। क्योंकि आंकड़ों के अनुसार, भले ही तंबाकू सेवन हर वर्ग में पाया जाता है, लेकिन अशिक्षितों में इसकी प्रवृत्ति कहीं अधिक गंभीर है। स्कूल न जाने वाले या पांचवीं कक्षा से कम शिक्षा प्राप्त पुरुषों में लगभग 58 प्रतिशत और महिलाओं में 15 प्रतिशत इस लत के शिकार हैं। ग्रामीण भारत में यह समस्या और भी गहरी होती जा रही है। विशेष रूप से वंचित समुदाय इसके सबसे बड़े शिकार हैं। पूर्वोत्तर, उत्तर और पूर्वी भारत के कई राज्यों में तंबाकू और अन्य नशों का प्रयोग अत्यधिक है। पश्चिम भारत के कुछ क्षेत्रों में भी स्थिति चिंताजनक है। यह भी समझना जरूरी है कि तंबाकू का प्रभाव केवल उपभोक्ता पर नहीं पड़ता, बल्कि उसके आसपास रहने वालों के लिए भी यह अत्यंत हानिकारक है। तंबाकूजन्य बीमारियों से पीड़ित व्यक्ति को मृत्यु से पूर्व अनेक गंभीर पीड़ाओं और भारी चिकित्सा खर्चों का सामना करना पड़ता है। स्पष्ट है कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस तभी सार्थक सिद्ध होगा जब देश में नशे के विरुद्ध एक सुसंगत राष्ट्रीय नीति बनाई जाए और उसे लागू करने के लिए सरकारें पर्याप्त साहस और राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाएं। साथ ही, विश्व स्वास्थ्य संगठन को वैश्विक स्तर पर जनस्वास्थ्य की रक्षा हेतु दीर्घकालिक और प्रभावशाली नीतियों का निर्माण कर उन्हें लागू करना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया भर के 1.3 अरब तंबाकू उपयोगकर्ताओं में से लगभग 80 प्रतिशत निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं, जहां तंबाकूजन्य बीमारियों और मृत्यु दर की स्थिति सबसे खराब है। यह लत लोगों को रोटी, कपड़ा और मकान जैसी बुनियादी जरूरतों पर खर्च करने की बजाय तंबाकू उत्पादों पर खर्च करने को विवश कर देती है, जिससे गरीबी को भी बढ़ावा मिलता है। एक अनुमान के अनुसार, विश्व स्तर पर तंबाकू सेवन से हर साल लगभग 105.4 लाख करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष नुकसान होता है, जबकि अप्रत्यक्ष हानि इससे कई गुना अधिक हो सकती है। तंबाकू से बचाव केवल हमारे और हमारे प्रियजनों के वर्तमान की ही नहीं, बल्कि भविष्य की भी रक्षा है—और इस बचाव का कोई विकल्प नहीं है।

कुछ अलग

ट्रंप की वक्र दृष्टि

अपने बेतुके फैसलों व टैरिफ वार से तमाम अर्थव्यवस्थाओं को हिलाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की वक्र दृष्टि अब अमेरिका के नामी-गिरामी विश्वविद्यालयों पर भी पड़ी है। दुनिया का सबसे पुराना लोकतंत्र होने का दंभ भरने वाले अमेरिका में विश्वविद्यालय परिसरों में लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का गला घोंटा जा रहा है। अब अमेरिका में उच्च शिक्षा का सपना देखने वाले भारत व दुनिया के तमाम देशों के छात्रों के लिये ट्रंप प्रशासन ने मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। हाल के दिनों में प्रतिष्ठित हार्वर्ड विश्वविद्यालयों पर मनमाने फैसले थोपे व कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए, जो विश्वविद्यालयों के परिसरों में अभिव्यक्ति की आजादी पर नकेल कसने की ही कवायद थी। दलील दी गई कि फलस्तीन का समर्थन करने वाले छात्र-छात्राओं की सूचना ट्रंप प्रशासन को दी जाए। इन्हीं बंदिशों के बाद अब ट्रंप सरकार ने दुनियाभर के अपने दूतावासों को स्टूडेंट वीजा की प्रक्रिया बंद करने का आदेश दिया है। ट्रंप सरकार की दलील है कि पहले आवेदक छात्रों के सोशल मीडिया अकाउंट की गहरी जांच की जाएगी। इस योजना पर काम चल रहा है। दरअसल, अमेरिकी सरकार द्वारा स्टूडेंट वीजा के लिये आवेदन करने वाले छात्रों की सोशल मीडिया गतिविधियों की गहन जांच तेज की जाएगी। इस फैसले से भारत समेत तमाम देशों के छात्रों की अमेरिकी विश्वविद्यालयों में पढ़ाई के सपने को आंच आ सकती है। अमेरिका सरकार इसके माध्यम से उन छात्रों के आवेदन को खारिज करने की तैयारी में है जिनके सोशल मीडिया अकाउंट में ट्रंप या अमेरिका की नीतियों की आलोचना की सामग्री होगी। जाहिर है ऐसे छात्रों को अमेरिका के विश्वविद्यालयों में दाखिला नहीं दिया जाएगा। एक अनुमान के मुताबिक साल 2023-24 में करीब तीन लाख से अधिक भारतीय छात्र अध्ययनरत थे। अपने सपनों को पूरा करने के लिये हजारों भारतीय प्रतिभाएं हर साल अमेरिका का रुख करती हैं। अमेरिका के इस फैसले से उन छात्रों को दिक्कत होगी जो इस साल अगस्त से शुरू होने वाले सत्र का हिस्सा बनना चाह रहे थे। दरअसल, अमेरिका सरकार द्वारा अपने दूतावासों को कहा गया है कि वीजा के लिये पेश किए गए नये आवेदनों को रोक दें। उन पर सोशल मीडिया खातों की जांच के बाद ही कोई निर्णय लिया जा सकेगा। यहां उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी विश्वविद्यालयों में पहले से पढ़ रहे सैकड़ों छात्रों के वीजा इस आरोप के बाद निरस्त कर दिए कि उन्होंने इस्राइल विरोधी आंदोलन में शिरकत की थी। इनमें वे छात्र भी शामिल थे जिन्होंने अपने सोशल मीडिया अकांउट पर फलस्तीनियों के पक्ष में पोस्ट डाली थी। सरकार की दलील थी कि इन छात्रों को पढ़ाई के लिये वीजा मिला था न कि राजनीतिक मुद्दों में सक्रियता के लिये। उल्लेखनीय है कि कई भारतीय छात्र भी इस फैसले की चपेट में आए हैं।

दृष्टि कोण

सावधान रहना होगा कोरोना के नए वेरियंट्स से

भारत सहित अन्य देशों में एक बार फिर से कोरोना वायरस संक्रमण का खतरा मंडराने लगा है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी हालिया आंकड़ों के अनुसार देश में अब तक कुल 1200 से अधिक कोविड-19 के सक्रिय मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जबकि 12 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। एक ओर जहां लंबे समय तक कोरोना के मामलों में गिरावट देखने को मिली थी, वहीं अब नए वेरिएंट्स के साथ यह वायरस एक बार फिर लोगों को चिंता में डाल रहा है। आइये समझते हैं महामारी की वापसी कैसे हुई। 2020 और 2021 में देश ने कोरोना की भयावह लहरों का सामना किया था जिसने लाखों लोगों को प्रभावित किया। टीकाकरण और जनसहभागिता के चलते पिछले कुछ समय से स्थिति नियंत्रण में थी लेकिन अब 2025 में फिर से मामलों में इजाफा देखने को मिल रहा है। भारत में 1200 से अधिक सक्रिय मामले सामने आ चुके हैं और इस बार भी सबसे अधिक असर दक्षिणी राज्यों, विशेषकर केरल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में देखा जा रहा है। अगर हम राज्यों की स्थिति के बारे में सोचें तोः केरल में 420 से अधिक सक्रिय मामले हैं, तीन मौतें भी हुईं। महाराष्ट्र में 280 केस, दो मौतें। दिल्ली और गुजरात में धीरे-धीरे मामले बढ़ते हुए दिख रहे हैं। नए वेरिएंट्स में जे एन1, एल एफ.7 और एन बी.1.8.1 से खतरा बढ़ा है। वर्तमान में जिन वेरिएंट्स के कारण संक्रमण फैल रहा है, वे हैं जे एन1, एल एफ.7 और एन बी.1.8.1। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि ये वेरिएंट्स पहले के मुकाबले अधिक संक्रामक हैं, हालांकि इनमें से कुछ वेरिएंट गंभीर लक्षण उत्पन्न नहीं करते। विशेषज्ञों की राय है कि येल यूनिवर्सिटी द्वारा हाल में किए गए अध्ययन में यह स्पष्ट हुआ है कि नए वेरिएंट्स तेजी से म्यूटेट हो रहे हैं और यह हमारी

प्रतिरक्षा प्रणाली को चकमा दे सकते हैं हालांकि, बूस्टर डोज और अपडेटेड टीकों से इनका प्रभाव काफी हद तक रोका जा सकता है। गौरतलब है कि नए वेरिएंट्स के लक्षण मुख्यतः समान ही हैं लेकिन कुछ मामलों में हल्के बदलाव देखे जा रहे हैं। अधिकतर मरीजों को हल्के बुखार, गले में खराश, खांसी और बदन दर्द की शिकायत हो रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि लक्षण हल्के हैं परंतु उच्च जोखिम वाले वर्गों (60 वर्ष से ऊपर, पहले से बीमार व्यक्ति) में इसका खतरा अधिक है। सामान्य लक्षणों में गले में खराश, हल्का या तेज बुखार, सिरदर्द, सांस फूलना, बदन दर्द और स्वाद और गंध का जाना (कुछ मामलों में)। मई 2025 की स्थिति को देखते हुए राज्य सरकारें और केंद्र सरकार सतर्क हो चुकी हैं। रेलवे स्टेशनों, एयरपोर्ट्स, बस अड्डों पर फिर से थर्मल स्क्रीनिंग, रैपिड एंटीजन टेस्टिंग, और आर टी पी सी आर टेस्ट को अनिवार्य किया जा रहा है, खासकर उन यात्रियों के लिए जो विदेश या उच्च संक्रमण क्षेत्रों से आ रहे हैं। सरकार के प्रयासों में सभी जिलों में कोविड-हेल्पलाइन नंबर सक्रिय। अस्पतालों में ऑक्सीजन बेड्स की संख्या बढ़ाई गई। स्वास्थ्य कर्मियों को फिर से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गर हम अस्पतालों की तैयारी के बारे में बात करें तो दूसरी लहर जैसी स्थिति की पुनरावृत्ति नहीं है। मध्यप्रदेश के ग्वालियर स्थित जी आर मेडिकल कॉलेज समेत कई सरकारी अस्पतालों में कोविड वॉड्र्स को दोबारा सक्रिय किया गया है। इनमें अतिरिक्त ऑक्सीजन सिलेंडर्स, वेंटिलेटर्स और दवाओं का स्टॉक सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी प्रकार अस्पताल प्रबंधन में पृथक कोविड वार्डों की स्थापना। बायोमेडिकल कचरे के सुरक्षित निपटान की व्यवस्था। डॉक्टरों और नर्सों की तैनाती में तेजी। याद रहे टीकाकरण अभियान का देश में 2021 से ही आरंभ हो गया था जिसके बाद लाखों लोगों को दोनों डोज़ दी गईं। अब 2025 में यह प्रश्न उठ रहा है कि क्या पहले ली गई वैक्सीन वर्तमान वेरिएंट्स के विरुद्ध प्रभावी है? विशेषज्ञों का उत्तर है— "आंशिक रूप से हां"। येल यूनिवर्सिटी के शोध में यह निष्कर्ष सामने आया है कि बूस्टर डोज या अपडेटेड वैक्सीन इन वेरिएंट्स से रक्षा में सहायक हो सकती हैं। सरकार द्वारा तीसरी और चौथी डोज़ की सिफारिश की जा रही है, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों को। अब बात आती है कि क्या लॉकडाउन की फिर से जरूरत पड़ेगी? फिलहाल सरकार ने लॉकडाउन की कोई योजना घोषित नहीं की है परंतु 'माइक्रो-कंटेनमेंट जोन' की नीति को फिर से लागू किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री के 11 साल पहले के पूरे हुए वायदे हैं संकल्प से सिद्धि : नायब सिंह सैनी

गुरुग्राम (हिंस)। मोदी सरकार के 11 साल संकल्प से सिद्धि तक कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा रविवार को गुरुग्राम के भाजपा कार्यालय गुरुकमल में तैयार की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा, राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा सहित प्रदेश के मंत्री, विधायक व सांसद मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जहां मोदी सरकार की उपलब्धियां सबके सामने रखते हुए इन्हें घर-घर पहुंचाने की अपील की, वहीं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा ने जून में होने वाले सभी कार्यक्रमों की जानकारी रखी। प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने भी सभी कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक करने के लिए जिला अध्यक्षों, कार्यक्रम संयोजकों को दिशा निर्देश दिए। राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ ने मोदी सरकार की योजनाओं को गौरवान्वित करने वाली बताया। कार्यशाला में सभी नेताओं को समझाया गया कि किस तरह सभी कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक करना है। प्रदेश कार्यकारिणी में मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों पर बोलते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में जो कहा, वो पिछले 11 सालों में पूरा किया और उसे सिद्धि तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले और 2025 तक के समय का मूल्यांकन करेंगे तो जमीन-आसमान का अंतर नजर आएगा। इन 11 सालों में भारत ने तेजी से तरक्की की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व में भारत का सम्मान बढ़ा है। पीएम मोदी ने भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है, इस संकल्प को हम सभी को मिलकर सिद्धि तक पहुंचाना है। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा ने पूरे महीने चलने वाले कार्यक्रमों के बारे में भी विस्तार से बताया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पंडित मोहन लाल बड़ौली ने पदाधिकारियों से सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 साल प्रेरणादायक रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने जनहित में अनेकों निर्णय लिए और योजनाएं बनाई। सभी योजनाओं को धरातल पर उतारा।

हिरणों के शिकार को लेकर ग्रामीणों का विरोध प्रदर्शन जारी, डीप-फ्रिज में रखे शव के साथ धरना

बाड़मेर (हिंस)। राजस्थान के बाड़मेर जिले के चौहटन उपखंड के आगोर गांव में हिरणों के अवैध शिकार के खिलाफ ग्रामीणों का विरोध प्रदर्शन रविवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। ग्रामीणों ने एक मृत हिरण और दो हिरण शावकों के शव को डीप-फ्रिज में सुरक्षित रखते हुए धरना शुरू किया है। उनका आरोप है कि क्षेत्र में सक्रिय एक शिकारी गैंग दर्जनों हिरणों का शिकार कर उन्हें कट्टों में भरकर ले गया, जिन्हें होटल व्यवसाय से जोड़ा जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि शिकारियों द्वारा एक कट्टे में हिरण शावकों को बुरी तरह ठूंसा गया था, जबकि एक वयस्क हिरण का शव घटनास्थल के पास ही फेंका गया था। यह मामला तब सामने आया जब शुक्रवार सुबह एक किसान ने पुलिया के नीचे संदिग्ध कट्टा देखा। खोलने पर उसमें से दुर्गंध आई और अंदर दो हिरण शावक मृत अवस्था में पाए गए। वन्यजीव प्रेमी प्रकाश ने बताया कि पहले उन्हें लगा कि हिरण की मौत सड़क दुर्घटना में हुई होगी, लेकिन जब पास ही एक और मृत हिरण मिला और ग्रामीणों को शिकार की आशंका हुई तो वन्यजीव दया संघर्ष समिति के सदस्य जगदीश ढाका ने चौहटन थाने में मामला दर्ज कराया। इसके बाद हिरणों के शवों को डीप-फ्रिज में सुरक्षित रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला वन अधिकारी (डीएफओ) सविता दहिया, उपखंड अधिकारी (एसडीएम) कुसुमलता चौहान और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) नितेश आर्य ने धरना स्थल का दौरा किया और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। प्रशासन ने तीन दिन के भीतर मामले का खुलासा करने का भरोसा दिलाया, जिसके बाद प्रदर्शन को आंशिक रूप से जारी रखने पर सहमति बनी। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि तय समय में कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन उग्र रूप ले सकता है। डीएफओ सविता दहिया ने बताया कि मामले की जांच के लिए अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं और अब तक 15-16 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

बिजली के स्मार्ट मीटर के जरिए नेता-अधिकारी और उद्योगपति कर रहे हैं भ्रष्टाचार : खाचरियावास

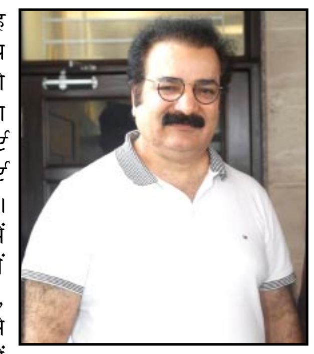

जयपुर (हिंस)। पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने रविवार को राज्य सरकार पर स्मार्ट मीटर योजना को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार *स्मार्ट मीटर* योजना के नाम पर *स्मार्ट भ्रष्टाचार* की तैयारी कर रही है। खाचरियावास ने कहा कि वर्तमान में प्रदेशभर में लाखों की संख्या में इलेक्ट्रॉनिक बिजली मीटर कार्यरत हैं, जो सही ढंग से काम कर रहे हैं। ऐसे में सरकार द्वारा इनकी जगह फ्री में स्मार्ट मीटर लगाने की कोई स्पष्ट आवश्यकता नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस योजना के पीछे सरकार का उद्देश्य केवल बड़े स्तर पर कमीशनखोरी और हजारों करोड़ रुपये के घोटाले को अंजाम देना है। पूर्व मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा स्मार्ट मीटर लगाने के लिए जिन निजी कंपनियों को ठेका दिया जा रहा है, उन्हें इससे भारी आर्थिक लाभ होगा, जबकि आम उपभोक्ता की जेब पर सीधा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जनता के टैक्स के पैसे से राज्य सरकार एक करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं के घरों में स्मार्ट मीटर लगवाने जा रही है, जिससे बिजली उपभोग की वास्तविकता से अधिक बिल आने की संभावना है। उन्होंने दावा किया कि इस योजना में *जीनस* जैसी बड़ी कंपनियों को ठेका दिया गया है और इसमें सरकारी अधिकारियों, नेताओं व उद्योगपतियों के बीच कमीशन का बड़ा खेल हो रहा है। खाचरियावास ने कहा कि भाजपा सरकार की ओर से जबरन स्मार्ट मीटर लगाए जाने की स्थिति में कांग्रेस इसका विरोध करेगी।

जयपुर में 3 से 8 जून तक होगा *सन टू ह्यूमन* शिविर

जयपुर (हिंस)। सन टू ह्यूमन फाउंडेशन की ओर से 3 जून से 8 जून तक भवानी निकेतन, जयपुर में आयोजित होने वाले विशाल शिविर की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। रविवार को आयोजन समिति के सदस्यों ने शिविर स्थल का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही व्यवस्थाएं संभाल रहे वॉलिंटियर्स से बातचीत कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। शिविर को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया लगभग पूर्ण हो चुकी है और बड़ी संख्या में लोग आयोजन स्थल को पहले ही देखने पहुंच रहे हैं। शिविर के प्रणेता परम आलयजी की मुख्य प्रशिक्षिका गार्गी मां रविवार को इंदौर से जयपुर पहुंचीं और अपनी टीम के साथ डेमो सत्र का संचालन किया। वे शिविर के पहले तीन दिन साधकों को विशेष रूप से संबोधित करेंगी। इस बार शिविर में लगभग 25 हजार लोगों के भाग लेने की संभावना है। इसके अनुसार आयोजन स्थल पर सुविधाएं विकसित की गई हैं। लगभग 2 हजार वॉलिंटियर्स को शिविर की विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं ताकि संचालन सुचारु रूप से हो सके। आयोजन स्थल पर बनाए गए विशाल पंडाल, मंच और साधकों के बैठने की व्यवस्था को अंतिम रूप दिया गया। वॉलिंटियर्स और अन्य उपस्थित लोगों को विभिन्न अभ्यास और प्रयोग भी कराए गए। साथ ही चार विशाल पंडालों में अल्कलाइन नाश्ते की व्यवस्था की गई है। मीडिया प्रभारी राजेश नागपाल के अनुसार यह शिविर लगभग 2 लाख वर्ग फीट क्षेत्र में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें 20 से 25 हजार साधक व्यवस्थित रूप से बैठ सकेंगे। रजिस्ट्रेशन अब केवल विशेष परिस्थितियों में ही स्वीकार किया जाएगा और इसके लिए शिविर स्थल पर कुछ विशेष काउंटर खोले जाएंगे। संयोजक संजय महेश्वरी ने बताया कि शिविर में भाग लेने वाले साधकों को जीवन से जुड़ी अनेक समस्याओं के समाधान तथा शरीर, मन और चेतना के विकास के सूत्र सिखाए जाएंगे। संयोजक संजय महेश्वरी, नरेंद्र वैद्य और कमल सोमानी ने बताया कि यदि सम्यक ज्ञान और व्यायाम को आदत में लाया जाए तो अनेक प्रकार की व्याधियों से मुक्ति मिल सकती है और जीवन में सकारात्मक बदलाव संभव है। शिविर में सुबह 5.30 से 7.30 बजे तक नियमित सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त दिल्ली से मंगवाई गई विशेष एसी टॉयलेट बसों की व्यवस्था भी की गई है ताकि साधकों को अधिकतम सुविधा मिल सके। चार विशेष डोम भी बनाए गए हैं। पंजीयन अनिवार्य रखा गया है और सभी साधकों को शिविर में प्रवेश के लिए पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लाना होगा। नाश्ते के लिए साधकों को अपने घर से प्लेट, गिलास, चम्मच, तेज धार वाला चाकू, बैठने का आसन, पानी की बोतल और सिर ढकने का रुमाल लाना होगा। मीडिया प्रभारी राजेश नागपाल के अनुसार शिविर में पहले तीन दिन गार्गी मां साधकों को शरीर की शक्तियों को जाग्रत करने के अभ्यास कराएंगी, जबकि अगले तीन दिन परम आलय जी के निर्देशन में ब्रेन पावर, मन, विचार और चेतना पर केंद्रित सत्र होंगे। शिविर में बताया जाएगा कि कैसे छोटे-छोटे प्रयोगों से डायबिटीज, बीपी, थायराइड, आर्थराइटिस, माइग्रेन, हृदय रोग और डिप्रेशन जैसी बीमारियों से राहत मिल सकती है। शिविर में प्रतिभागियों को ऊर्जावान अल्कलाइन नाश्ता भी निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। आयोजकों ने अधिक से अधिक संख्या में लोगों से शिविर में भाग लेने की अपील की है ताकि वे इस विशेष साधना शिविर का लाभ उठा सकें।

भाजपा की बी टीम के रूप में काम कर रहे हैं पूर्व सीएम हुड्डा : जसवीर जस्सा

सिरसा (हिंस)। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के जिलाध्यक्ष जसवीर सिंह जस्सा ने कांग्रेस को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा भाजपा की बी टीम के रूप में काम कर रहे हैं और उन्हीं की वजह से आज भाजपा तीसरी बार सत्तासीन है। जसवीर सिंह जस्सा रविवार को सिरसा जिला के गांव रिसालियाखेड़ा में डबवाली हलके के कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इनेलो नेता ने भाजपा की नीतियों पर सवालिया निशान उठाते हुए कहा कि आज प्रदेश की महिलाएं, व्यापारी भय के साए तले जीने को मजबूर हैं। कानून व्यवस्था पूरी तरह से लचर है, अस्पतालों में चिकित्सक नहीं और सरकारी स्कूलों में अध्यापक नहीं होने के कारण प्रदेश का मूल इंफ्रास्ट्रक्चर पूरी तरह से चरमरा गया है। प्रदेश में भ्रष्टाचार पूरे चरम पर है। उन्होंने जिस प्रकार पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला ने अपनी दूरदर्शिता व विवेक से अपने संगठन को देश का सर्वाधिक मजबूत संगठन बनाया था, ठीक उसी तर्ज पर आज इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला पार्टी संगठन की मजबूती की दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संकल्प दिलाया कि वे पार्टी संगठन की मजबूती के लिए पहले की तरह ही अपना दायित्व पूरी गंभीरता से निभाते हुए इनेलो को फिर से सत्तासीन बनाने में अपनी पूरी ताकत व अनुभव का इस्तेमाल करेंगे ताकि फिर से हरियाणा को सही मायने व खुशहाल व विकसित प्रदेश बनाया जा सके। जस्सा ने कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला के नेतृत्व में पूरे जिले में हर घर पार्टी का झंडा अभियान निरंतर जारी रखते हुए अधिकाधिक लोगों को पार्टी संगठन से जोड़ने की कवायद जारी है और इसमें सभी कार्यकर्ताओं को निष्ठापूर्वक कार्य करना है। उन्होंने बताया कि इस अभियान को पूरे हरियाणा में 6 हजार से अधिक गांवों में तेजगति से किया जा रहा है।

अंतराष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस पर मुख्यमंत्री का संकल्प *सुरक्षित बचपन ही सशक्त राष्ट्र की नींव*

जयपुर (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस के अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि *सुरक्षित बचपन ही सशक्त राष्ट्र की नींव है!* मुख्यमंत्री ने अपील करते हुए कहा कि इस अवसर पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि प्रत्येक बालक और बालिका के अधिकारों की रक्षा करते हुए उनके सर्वांगीण विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समुचित स्वास्थ्य सेवाएं और एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सतत प्रयास करें। मुख्यमंत्री शर्मा ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि बच्चों को भयमुक्त और सम्मानजनक जीवन मिले, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सकें। उन्होंने प्रदेशवासियों, शिक्षकों, अभिभावकों और समाज के हर वर्ग से आह्वान किया कि वे बाल संरक्षण के इस संकल्प में सहभागी बनें। उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा और उनके कल्याण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर वर्ष एक जून को मनाया जाता है।

यूपी के नए डीजीपी के लिए कानून व्यवस्था को सुधारना बड़ी चुनौती : मायावती

लखनऊ (हिंस)। बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा है कि उत्तर प्रदेश के नए पुलिस महानिदेशक के सामने प्रदेश की कानून व्यवस्था को सुधारना बड़ी चुनौती है। उल्लेखनीय है कि शासन ने शनिवार रात को तत्कालीन पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार के सेवानिवृत्त होने के बाद आईपीएस राजीव कृष्ण को कार्यवाहक डीजीपी बनाया है। इस पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। इस मामले में बसपा प्रमुख मायावती ने रविवार को एक्स पर तीन पोस्ट किए। पहले पोस्ट में उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में से खासकर यूपी में सामंती व आपराधिक तत्वों का वर्चस्व है। जातिवादी एवं साम्प्रदायिक द्वेष, हिंसा, अन्याय-अत्याचार, लोगों को उजाड़ने आदि से यह साबित है कि यहां कानून का राज सही से नहीं चल रहा है। ऐसे माहौल में यूपी पुलिस के नए प्रमुख के सामने राज्य में अपराध नियंत्रण व कानून का राज स्थापित करके सर्वसमाज के लोगों को उचित राहत पहुंचाने की बड़ी चुनौती होगी। राज्य सरकार व सत्ताधारी दल के लोगों को भी यूपी में कानून का राज स्थापित करने में हर प्रकार का सहयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि वैसे भी भारत के बहुआयामी विकास व यहां की विशाल आबादी की समग्र उन्नति में यूपी को देश की प्रगति की रीढ़ होना चाहिए।

विधानसभा सचिवालय ने अब्बास अंसारी की विस सदस्यता रद्द की, निर्वाचन आयोग को भेजी रिक्त सीट की सूचना

लखनऊ (हिंस)। रविवार को अवकाश के बावजूद विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों ने कोर्ट से दो साल की सजा पाने वाले अब्बास अंसारी की विधानसभा की सदस्यता रद्द कर दी है। सचिवालय ने निर्वाचन आयोग को मऊ विधानसभा सीट रिक्त होने की भी सूचना भेज दी है। जानकारी हो कि मुख्तार अंसारी के पुत्र अब्बास अंसारी मऊ सदर विधानसभा सीट से चुनाव जीतकर पहली बार विधायक बने थे। एक हेट स्पीच मामले में विशेष कोर्ट ने शनिवार को उन्हें गुनहागार माना और दो वर्ष की सजा सुनाई है। किसी भी मामले में दो साल या उससे अधिक की सजा होने पर विधानसभा की सदस्यता जाने का कानूनी प्रावधान है। अब्बास को सजा सुनाने के बाद से ही उनकी विधायकी जाने के कयास लगाए जा रहे थे। रविवार को विधानसभा सचिवालय ने इस संबंध में अब्बास अंसारी की विधानसभा की सदस्यता रद्द कर दी है। निर्वाचन आयोग को सूचना भेज दी है। अब चुनाव आयोग ही कोई बड़ा निर्णय लेगा है। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे ने रविवार को पत्रकारों से कहा कि अब्बास अंसारी की विधानसभा सदस्यता समाप्त की जा चुकी है। उप्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को उपचुनाव कराने के लिए प्रस्ताव भेज दिया गया है। इसके साथ ही मऊ सदर सीट पर उपचुनाव की संभावना बढ़ गई है। अब्बास अंसारी के पिता मुख्तार अंसारी भी इस सीट से विधायक रह चुके थे। अब्बास पर विधानसभा चुनाव के दौरान एक चुनावी जनसभा में भड़काऊ भाषण में धमकी देते हुए अपनी सरकार आने पर देख लेने की बात कही थी। इस मामले में अब्बास अंसारी की गिरफ्तारी हुई थी। अब कोर्ट ने उन्हें दो साल की सजा सुनाई गई है।

हिंदू धर्म से ही कलियुग टिका हुआ है : ममता कुलकर्णी

मुरादाबाद (हिंस)। हिंदू धर्म से ही कलयुग टिका हुआ है। जो भी थोड़े से धार्मिक लोग हैं उन्हीं की वजह से कलयुग है, कलयुग का घर अभी नहीं आया है। अभी इससे भी घोर कलयुग आने वाला है। यह बातें रविवार को उत्तर प्रदेश के संभल स्थित कल्कि धाम में पहुंचीं किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर व पूर्व फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने शिलादान कार्यक्रम में सम्मिलित होने के बाद पत्रकारों से कहीं। महामंडलेश्वर ममता कुलकर्णी ने कहा कि प्रमोद कृष्णम ने यह कल्कि धाम को बहुत ही सुंदर बना दिया है। श्री कृष्णम भव्य कल्कि धाम बनाने का बहुत ही सुंदर कार्य कर रहे हैं। मैं खुद को गौरवान्वित महसूस कर रही हूं कि मैंने भी यहां शिलादान का सौभाग्य प्राप्त किया। शायद मेरे पूर्व जन्म के कुछ अच्छे कर्म रहे होंगे कि मुझे यह अवसर इस जन्म में प्राप्त हुआ है। मैंने समाधि में ध्यान के दौरान ही कल्कि के अवतार को देख लिया है। महामंडलेश्वर ने आगे कहा कि सभी लोग बहुत सारी चीजें इस कलियुग में ऐसे देख रहे हैं जो कभी देखनी नहीं चाहिए, ऐसी चीजें सुन रहे हैं जो कभी सुनाई नहीं देनी चाहिए। लेकिन इससे भी घोर कलयुग आने वाला है। कुछ धार्मिक लोगों की वजह से घोर कलियुग आने से रुका हुआ है। यह लड़ाई दानव देवता के बीच की है। समुद्र असुर और देवताओं के बीच हुआ था। कलयुग भी उसी की कगार पर खड़ा है। देवी- देवता और धर्म-अधर्म के बीच में जिस दिन धर्म एकदम नष्ट हो जाएगा उस दिन भगवान कल्कि अवतार ले लेंगे।

विकसित-आत्मनिर्भर बिहार का संकल्प तभी संभव जब चिराग खुद बिहार में रहकर नेतृत्व करें : अरुण भारती

पटना (हिंस)। केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान के जीजा और लोजपा नेता अरुण भारती ने एक्स पर लंबा-चौड़ा पोस्ट कर लिखा है कि चिराग पासवान पूरे बिहार की उम्मीद हैं। अरुण भारती ने लिखा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान हमेशा कहते हैं कि उनकी राजनीति बिहार केंद्रित है और उनका विजन *बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट* एक विकसित और आत्मनिर्भर बिहार का संकल्प है। यह तभी संभव है जब वे खुद बिहार में रहकर नेतृत्व करें। अरुण भारती ने लिखा कि जब मैं प्रदेश प्रभारी के रूप में गांव-गांव गया, हर जगह लोगों की एक ही मांग थी, कि चिराग जी को अब बिहार में बड़ी भूमिका निभानी चाहिए। हाल ही में पार्टी कार्यकारिणी की बैठक में भी सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास हुआ कि वे आगामी विधानसभा चुनाव में खुद चुनाव लड़ें। अरुण भारती ने आगे लिखा कि कार्यकर्ताओं की यह भी भावना है कि इस बार वे किसी आरक्षित सीट से नहीं, बल्कि एक सामान्य सीट से चुनाव लड़ें, ताकि यह संदेश जाए कि वे अब सिर्फ एक वर्ग नहीं, पूरे बिहार का नेतृत्व करने के लिए वो तैयार हैं। चिराग पासवान आज सिर्फ प्रतिनिधि नहीं, पूरे बिहार की उम्मीद हैं। उनका यह कदम सामाजिक न्याय की राजनीति को एक नई दिशा देगा-जिसमें प्रतिनिधित्व के साथ-साथ सर्वमान्यता की भी लड़ाई लड़ी जाएगी। अरुण भारती ने आगे लिखा कि जब नेता पूरे बिहार का है, तो सीट का दायरा क्यों सीमित हो? कार्यकर्ताओं की यह भी भावना है कि इस बार चिराग पासवान जी बिहार विधानसभा के चुनाव में किसी आरक्षित सीट से नहीं, बल्कि एक सामान्य सीट से चुनाव लड़ें - चिराग पासवान अब सिर्फ एक समुदाय की नहीं, पूरे बिहार की उम्मीद हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फूंका सीएम का पुतला

अररिया (हिंस)। मुजफ्फरपुर में रेप पीड़िता बच्ची के इलाज में लापरवाही से हुए मौत पर आक्रोशित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय के मीर चौक पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का रविवार को पुतला फूंका और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस जिलाध्यक्ष शाद अहमद के नेतृत्व में आयोजित पुतला दहन कार्यक्रम में विधायक आबिदुर रहमान ने भी भाग लिया। मौके पर मौजूद कांग्रेस जिलाध्यक्ष शाद अहमद और विधायक आबिदुर रहमान ने बिहार में लगातार गिर रहे कानून व्यवस्था को लेकर सवाल खड़ा किया। कांग्रेस के नेताओं ने मुजफ्फरपुर में रेप पीड़िता बच्ची के मौत के लिए सीधे तौर पर बिहार सरकार और उनकी व्यवस्था को जिम्मेवार ठहराया और कहा कि बिहार में जिस तरह से कानून व्यवस्था के सवाल खड़े हो रहे हैं और आम लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, इसमें कोई भी महफूज नहीं है। उन्होंने रेप पीड़िता बच्ची के मौत के लिए जिम्मेवार लोगों के खिलाफ जांच कर हत्या का मुकदमा चलाए जाने की जरूरत करार दिया।

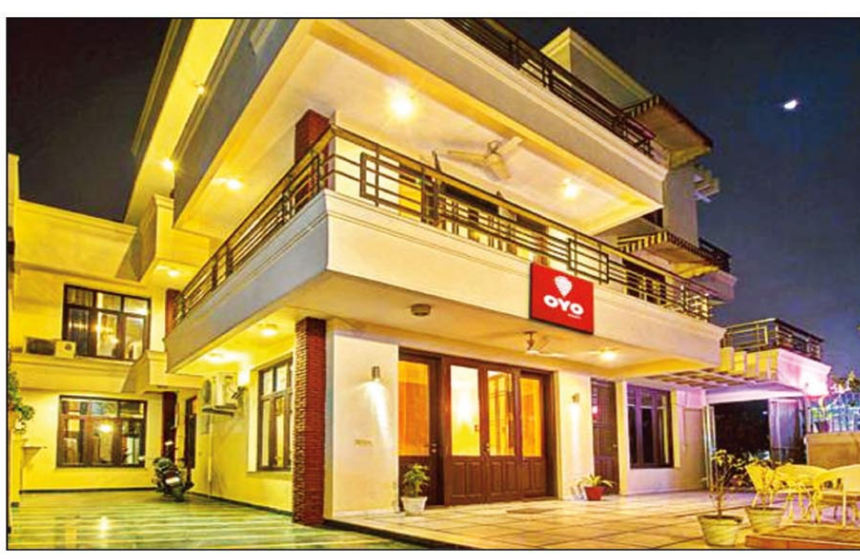

आईपीओ लॉन्च से पहले ओयो की पैरेंट कंपनी बदलेगी नाम, मांगे सुझाव मिलेगा इनाम

नई दिल्ली

ओयो का आईपीओ कुछ महीनों में बाजार में आ जाएगा। इससे पहले पैरेंट कंपनी के नाम में बदलाव की तैयारी हो रही है। ओयो के संस्थापक रितेश अग्रवाल ने अपनी पैरेंट कंपनी ओरावेल स्टेज के लिए नाम के सुझाव मांगे हैं। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि नया नाम उस प्रीमियम होटल ऐप का हो सकता है जिसे ओयो निकट भविष्य में पेश करने की योजना बना रही है। ओयो के संस्थापक ने कहा कि हम मूल कंपनी का नाम बदल रहे हैं। होटल चेन नहीं, उपभोक्ता उत्पाद नहीं बल्कि शहरी इनोवेशन और आधुनिक जीवन के वैश्विक परिवेश को सशक्त बनाने वाली मूल कंपनी है। हमारा मानना है कि अब समय आ गया है कि दुनिया के पास एक नए तरह का वैश्विक ब्रांड हो जिसका गढ़ भारत में हो, लेकिन दुनिया के लिए बनाया गया हो।

उन्होंने विजेता को तीन लाख रुपए का पुरस्कार और उनसे मिलने का मौका देने की घोषणा भी की। इस बीच, ओयो ने जून में पांच निवेश बैंकों की उसके प्रमुख शेयरधारक सॉफ्टबैंक से मिलने की व्यवस्था की है। इन बैंक में आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और एक्सिस कैपिटल के साथ-साथ भारतीय वित्तीय संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले वैश्विक बैंकिंग गठजोड़ से सिटी, गोल्डमैन सैक्स और जेफरीज शामिल हैं। जापानी समूह सॉफ्टबैंक, ओयो के सबसे बड़े शेयरधारकों में से एक है। इसलिए यह बैठक खास है।

यह बैठक सॉफ्टबैंक के लंदन स्थित ग्रोसवेनर स्ट्रीट कार्यालय में होने वाली है। पांच बैंक, सॉफ्टबैंक के सुमेर जुनेजा के समक्ष अपने आईपीओ से जुड़ी रणनीति प्रस्तुत करेंगे। ओयो के संस्थापक और उसकी वरिष्ठ नेतृत्व टीम भी इसमें शामिल होगी। बता दें ओयो ने 2021 में सेबी के सामने अपने दस्तावेज दाखिल किए और फिर दोबारा दाखिल किए थे। इसमें सार्वजनिक पेशकश के जरिये 8,430 करोड़ जुटाने की बात कही थी। कंपनी ने हालांकि मई, 2024 में यह दस्तावेज वापस ले लिए थे।

न्यूज ब्रीफ

रिनॉल्ट की लोकप्रिय क्विड का इलेक्ट्रिक संस्करण हो रहा लोकप्रिय

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहनों की तेजी से बढती मांग को देखते हुए सभी बड़े वाहन निर्माता कंपनियां अपने इलेक्ट्रिक मॉडल्स को बाजार में पेश कर रही हैं। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में लगातार सुधार होने के कारण ईवी चलाना भी आसान होता जा रहा है। अब बाजार में एक नई कार की चर्चा हो रही है, जो भारत की सबसे किफायती इलेक्ट्रिक कार साबित हो सकती है। यह कार है रिनॉल्ट की लोकप्रिय क्विड का इलेक्ट्रिक संस्करण, जिसे रिनॉल्ट ई-क्विड कहा जा रहा है। इंटरनेट पर सामने आई स्पाई इमेजेस में रिनॉल्ट ई-क्विड को भारी कैमोफ्लॉज्ड हालत में देखा गया है। तस्वीरों से पता चलता है कि इस कार को नए वाय-आकार के टेललाइट्स और फ्रंट-रियर बंपर में बदलाव के साथ डिजाइन किया गया है। कार के इंटीरियर में भी बड़े अपडेट मिलने की उम्मीद है। रिनॉल्ट ई-क्विड में 7-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और 10-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जा सकता है। इसके साथ ही ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, वायरलेस चार्जिंग और एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम जैसे फीचर्स भी शामिल हो सकते हैं। सुरक्षा के लिहाज से कई एयरबैग और रियर-व्यू कैमरा भी मिलेंगे। रिनॉल्ट ई-क्विड में 26.8 केडब्ल्यूएच की बैटरी दी जाएगी, जो एक बार चार्ज करने पर करीब 220 किलोमीटर की रेंज देने का दावा करती है। यह रेंज शहर के अंदर रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त मानी जा रही है।

चीन फिर पाकिस्तान को देगा 3.7 अरब डॉलर का कर्ज, पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था को मिलेगा सहारा

नई दिल्ली। पाकिस्तान की जर्जर आर्थिक स्थिति को देखते हुए चीन ने फिर से राहत का हाथ बढ़ा दिया है। चीन ने पाकिस्तान को 316 अरब रुपए (करीब 3.7 अरब डॉलर) का एक नया कर्ज देने का भरोसा दिया है। इस सहायता से पाकिस्तान की विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूती मिलने की उम्मीद है। चीन ने इस बार यह कर्ज चीनी युआन में देने का ऐलान किया है, जिसे चीन की निर्भरता कम करने का हिस्सा माना जा रहा है। पाकिस्तान ने मार्च-अप्रैल 2024 के दौरान चीन से लिए गए 1.3 अरब डॉलर के कर्ज का भुगतान कर दिया था, जो लगभग 7.5 फीसदी ब्याज दर पर मिला था। वहीं 15 अरब युआन के बराबर चीन के तीन प्रमुख बैंकों से लिए गए 2.1 अरब डॉलर के सिंडिकेटेड लोन का भुगतान जून में परिपक्व होने वाला है। चीन ने भविष्य में भी परिपक्व होने वाले कर्जों को रिफाइनेंस करने का भी आश्वासन दिया है। यह चीन की मदद ने पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति के लिए एक बड़ी समाचार है, क्योंकि आइएमएफ से मिले 1 अरब डॉलर के बावजूद भी उसका विदेशी मुद्रा भंडार स्थिर नहीं था।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड सुरक्षित और लाभकारी विकल्प, हर साल जमा करें 1 लाख रुपये, 15 साल बाद मिलेंगे 27 लाख

नई दिल्ली। शेयर बाजार के लगातार उतार-चढ़ाव के बीच लोग अब पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) को एक मजबूत और लाभकारी निवेश विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

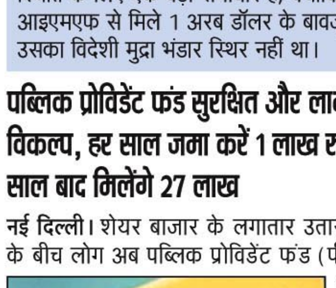

पीपीएफ एक ऐसा निवेश है जो सरकार की गारंटी के साथ आपको स्थिर और सुनिश्चित रिटर्न देता है। जबकि स्टॉक्स और म्यूचुअल फंड में जोखिम होता है, पीपीएफ आपके पैसे की सुरक्षा और बढ़ती हुई राशि का विश्वास दिलाता है। पीपीएफ खाता खोलने के लिए आप किसी भी बैंक या डाकघर में जा सकते हैं। आपको प्रति वर्ष 15 साल के अवधि में निवेश करना होता है और धीरे-धीरे आपका निवेश बढ़ता जाता है। सालाना 7.1 फीसदी के कंपाउंडिंग ब्याज दर के साथ आप अच्छे रिटर्न उम्मीद कर सकते हैं, जो आपके निवेश को दोगुना बना सकता है। इस योजना में निवेश करने के लिए आप अपने नाबालिग बच्चे के नाम पर भी पीपीएफ खाता खोल सकते हैं। यह एक अच्छा विकल्प है जो स्टॉक मार्केट के जोखिम से बचाव करने के लिए अपनाया जा सकता है और लंबी अवधि में भी आपको टैक्स छूट का लाभ मिल सकता है।

इलेक्ट्रिक वाहन की लोकप्रियता उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली

देश में सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहन उत्तर प्रदेश में दौड़ रहे हैं, जबकि दिल्ली, मुंबई और बैंगलोर जैसे महानगर पीछे रह गए हैं। ज्यादातर लोगों का मानना है कि इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) अधिकतर बड़े शहरों में ही लोकप्रिय हैं, लेकिन ताजा आंकड़े इस धारणा को गलत साबित करते हैं। उत्तरप्रदेश सरकार के अनुसार प्रदेश में वर्तमान में 4.14 लाख से अधिक ईवी सक्रिय हैं, जो अन्य राज्यों की तुलना में सबसे अधिक है। दिल्ली में 1.83 लाख और महाराष्ट्र में 1.79 लाख ईवी हैं। यह आंकड़ा साफ दिखाता है कि उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन के मामले में देश में शीर्ष स्थान पर है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2022 में इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण और परिवहन के लिए नई नीति लागू की है, जिसका उद्देश्य ईवी की स्वीकार्यता बढ़ाना और चार्जिंग नेटवर्क को मजबूत बनाना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार 30 हजार करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने और 10 लाख रोजगार सृजित करने की योजना पर तेजी से काम कर रही है। इसके साथ ही, प्रदेश में 16 नगर निकायों में 300 से अधिक नए चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाने की योजना है, जिसमें सबसे अधिक स्टेशन अयोध्या में बनाए जाएंगे। देश में कुल 33,000 ईवी चार्जर हैं, जिनमें 35 प्रतिशत फास्ट चार्जर हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फास्ट चार्जिंग नेटवर्क बढ़ाने और मौजूदा स्टेशनों को बेहतर बनाने पर जोर दिया है ताकि इलेक्ट्रिक वाहन की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों जैसे अयोध्या, काशी, मथुरा, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर और गाजियाबाद में ई-रिक्शा खासे लोकप्रिय हैं, जो ईवी बिक्री का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा हैं।

विदेशी लग्जरी कारों की कीमतों में आ सकती है भारी गिरावट

नई दिल्ली। हाल ही में भारत सरकार ने कई ट्रेड एग्रीमेंट्स पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके लागू होने पर विदेशी लग्जरी कारों पर इंपोर्ट टैक्स घटकर मात्र 10 प्रतिशत तक आ सकता है। इससे कार की कीमतों में भारी गिरावट आएगी। इस बीच, कई कार खरीदार कीमतों में कमी का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन ब्रिटिश ऑटोमेकर मिनी इंडिया ने ऐसा ऑफर पेश किया है जो खरीदारी में देरी करने की जरूरत खत्म कर देगा। मिनी इंडिया ने एक नई प्राइस प्रोटेक्शन पॉलिसी लागू की है, जो विशेष रूप से मिनी कूपर एस 3-डोर मॉडल पर लागू होगी। इस योजना के तहत, जो ग्राहक अब कूपर एस खरीदेंगे, उन्हें अगले 180 दिनों में अगर कूपर एस की कीमत में कोई भी कटौती होती है तो उसे वापसी के रूप में मिलेगा। यानी, कीमत घटने पर खरीदार का पैसा सुरक्षित रहेगा। यह ऑफर सीमित समय के लिए है और मिनी के अधिकृत डीलरशिप से उपलब्ध है। कूपर एस की वर्तमान ऑन-रोड कीमत मुंबई में लगभग 53.62 लाख रुपये है। भारत-यूके फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के तहत, भारत ब्रिटेन से आयातित हाई-एंड लग्जरी कारों पर 100 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत तक टैक्स कम करेगा। इससे कई ब्रांड अपनी कीमतें कम कर सकते हैं, लेकिन अभी इस पर कुछ अनिश्चितताएं बनी हैं। ऐसे में मिनी का यह प्राइस प्रोटेक्शन प्रोग्राम ग्राहकों को खरीदारी में विश्वास और सुरक्षा देता है। इस योजना के चलते ग्राहकों को लंबा इंतजार किए बिना तुरंत मिनी कूपर एस खरीदने का मौका मिलेगा और अगर बाद में कीमतें कम हुईं तो उन्हें लाभ भी मिलेगा।

घाटे में चल रही वीआई को 20 हजार करोड़ जुटाने की बोर्ड ने दी मंजूरी

नई दिल्ली

घाटे में चल रही टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 20,000 करोड़ रुपए की मंजूरी दे दी है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब कंपनी का मार्च तिमाही में नेट लॉस 6609 करोड़ रुपए बढ़कर 7166 करोड़ हो गया है।

कंपनी इस नए फंड से 4जी और 5जी का करेगी विस्तार

कंपनी लगातार सब्सक्राइबर्स को गंवा रही है। कंपनी इस नए फंड से 4जी और 5जी का विस्तार करेगी, जिससे कंपनी के बिजनेस के मौजूदा परिस्थितियों पर असर पड़े और सब्सक्राइबर्स को फिर से वापस लाया जा सके।

कंपनी ने कहा है कि वह इसका मूल्यांकन कर रही है कि पैसा इक्विटी या फिर डेट या किसी अन्य माध्यम से जुटाया जाए। ब्रिटेन के वोडाफोन ग्रुप पीएलसी और भारत के आदित्या बिरला ग्रुप का ज्वाइंट वेंचर दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में 5जी सर्विसेज देने के बाद भी ग्राहकों की घटती संख्या को रोकने में असमर्थ है। 2019 में हुए मर्जर के बाद दिसंबर में पहली बार सब्सक्राइबर्स की संख्या 200 मिलियन के नीचे आ गई। मार्च में एक बार कंपनी के सब्सक्राइबर्स की संख्या घटकर 198.20 मिलियन डॉलर हो गई थी।

वीआई के ऑडिटर्स ने चेतावनी दी है कि कंपनी की फाइनेंशियल कंडीशन्स ने नगदी के प्रवाह को प्रभावित किया है। इसके उलट कंपनी के टॉप मैनेजमेंट में रिजल्ट्स को लेकर उत्साह है। उनका कहना है कि सब्सक्राइबर्स में भी कमी आई है। साथ भी रेवन्यू प्रति उपभोक्ता में सुधार हुआ है। वीआई ने अपनी 5जी सर्विसेज को दिल्ली एनसीआर, मुंबई, चंडीगढ़ और पटना में तिमाही सर्विसेज शुरू की है। अब कंपनी की योजना है कि जहां 5जी एयरवेज़ हैं उन सभी 17 सर्कल में यह सर्विसेज शुरू की जाएगी। हालांकि, रिलायंस जियो और एयरटेल की बाजार में इस हिसाब से मौजूदगी है वैसे वीआई की अपनी पैठ बनाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

आरआईआर पावर का मुनाफा और राजस्व बढ़ा

देश की प्रमुख पावर सेमीकंडक्टर निर्माता आरआईआर पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही में 22.7 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 26.46 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 21.57 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि इस अवधि में कंपनी का मुनाफा 2.58 करोड़ रुपये रहा जबकि ईबीआईटीडीए 3.33 करोड़ रुपये रहा। ईबीआईटीडीए और पीएटी मार्जिन क्रमशः 12.58 प्रतिशत और 9.75 प्रतिशत रहे और आय प्रति शेयर (ईपीएस) 3.51 रुपये दर्ज किया गया।

मैग्नाइट का नया सीएनजी वेरिएंट लॉन्च

नई दिल्ली

अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी, मैग्नाइट का नया सीएनजी वेरिएंट निसान मोटर इंडिया ने लॉन्च कर दिया है। निसान ने बताया है कि यह एसयूवी गवर्मेंट अप्रूव्ड सीएनजी रेट्रोफिट किट के साथ आएगी, जिसकी कीमत पेट्रोल मॉडल से लगभग 74,999 रुपये अधिक होगी।

यह इको-फ्रेंडली मॉडल 1 जून से आधिकारिक डीलरशिप्स पर उपलब्ध होगा। लॉन्च शुरुआत में दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, केरल और कर्नाटक में होगी। पहले चरण में अनुमानित बिक्री 2,500 से 3,000 यूनिट्स के बीच रहेगी। निसान के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा कि मैग्नाइट भारत में कंपनी के लिए सफल मॉडल साबित हुआ है। ग्राहक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अब यह वैकल्पिक ईंधन विकल्प भी उपलब्ध होगा, जो अधिकृत फिटमेंट सेंटरों पर इंस्टॉल किया जाएगा। उनका मानना है कि इससे एसयूवी की उपयोगिता और मूल्य प्रस्ताव दोनों बढ़ेंगे। मैग्नाइट सीएनजी में 1-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड इंजन दिया गया है, जो 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन से जुड़ा है।

हालांकि निसान ने अभी सीएनजी इंजन की पावर डिटेल्स साझा नहीं की हैं, लेकिन पेट्रोल वेरिएंट 71 बीएचपी और 96 न्यूटन मीटर टॉर्क देता है। इसके अलावा, कंपनी ने 5-स्पीड एएमटी विकल्प की संभावना का भी संकेत दिया है, जो भविष्य में पेश किया जा सकता है। इस वेरिएंट में 12 किलो का सिंगल सीएनजी सिलेंडर टैंक लगेगा, जो पर्याप्त बूट स्पेस भी देगा। निसान ने मैग्नाइट सीएनजी की कीमत 6.89 लाख रुपये से शुरू करते हुए 3 साल या 1 लाख किलोमीटर की वारंटी भी दी है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 692.72 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 23 मई को समाप्त सप्ताह में 6.99 अरब डॉलर बढ़कर 692.72 अरब डॉलर हो गया। इसके पहले 16 मई को समाप्त हुए सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.89 अरब डॉलर घटकर 685.73 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर, 2024 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 23 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 45.16 लाख डॉलर बढ़कर 586.17 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी

मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.37 अरब डॉलर बढ़कर 83.58 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.57 अरब डॉलर हो गया। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी तीन करोड़ डॉलर बढ़कर 4.40 अरब डॉलर हो गया।

ट्रंप ने स्टील और एल्यूमिनियम पर टैरिफ दोगुना किया, 4 जून से लागू होगा नियम

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेंसिल्वेनिया के एक स्टील प्लांट में वर्कर्स को संबोधित करते हुए स्टील और एल्यूमिनियम पर टैरिफ दोगुना करने की घोषणा की। इन दोनों मेटल्स पर टैरिफ 25 फीसदी से बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया जाएगा, बड़ी हुई दरें अगले हफ्ते से प्रभावी होंगी। स्टील प्लांट में ब्लू कॉलर वर्कर्स के सामने उन्होंने स्टील पर टैरिफ डबल करने का ऐलान किया लेकिन थोड़ी ही देर बाद में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर उन्होंने एल्यूमिनियम पर 4 जून से टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया। ट्रंप ने यूएस स्टील और जापान की निप्पॉन स्टील के बीच चल रही डील पर भी टिप्पणी की। उन्होंने स्पष्ट किया कि साझेदारी के बावजूद यूएस स्टील पर अमेरिका का नियंत्रण बना रहेगा और इसका मुख्यालय पिट्सबर्ग में ही रहेगा। ट्रंप ने भरोसा दिलाया कि इस सौदे से अमेरिका में करीब 70,000 रोजगार के अवसर मिलेंगे और 1400 करोड़ डॉलर की आर्थिक वृद्धि होगी। चुनावी दौर में इस डील का विरोध करने वाले ट्रंप अब इसे आर्थिक विकास के लिए अहम बता रहे हैं। उन्होंने बताया कि निप्पॉन स्टील अमेरिका में 2.2 अरब डॉलर का निवेश करेगा और 7 अरब डॉलर की लागत से स्टील मिलों को आधुनिक बनाया जाएगा। हालांकि, यह डील अभी अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया में है।

जेमी ओवरटन चोटिल होकर वेस्टइंडीज दौरे से बाहर, इंग्लैंड को बड़ा झटका

एजबेस्टन

इंग्लैंड क्रिकेट टीम को वेस्टइंडीज दौरे के बीच एक बड़ा झटका लगा है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर जेमी ओवरटन हाथ की उंगली में चोट के चलते वनडे और टी20 सीरीज के शेष मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। यह चोट उन्हें एजबेस्टन में खेले गए पहले वनडे मुकाबले के दौरान लगी, जब उन्होंने एक रिटर्न कैच पकड़ने की कोशिश की। इंग्लैंड ने उस मुकाबले में वेस्टइंडीज को 238 रन से करारी शिकस्त दी थी, लेकिन जीत के बावजूद ओवरटन की चोट टीम के लिए परेशानी का कारण बन गई है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए बताया कि अब ओवरटन टीम से अलग होकर इंग्लैंड की मेडिकल टीम की निगरानी में रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरेंगे। बोर्ड ने साफ कर दिया है कि वनडे टीम में उनकी जगह किसी खिलाड़ी को शामिल नहीं किया जाएगा। टीम के पास मैथ्यू पॉट्स और ल्यूक वुड जैसे विकल्प रिजर्व के रूप में मौजूद हैं, जबकि स्पिन विकल्प के रूप में टॉम हार्टले पर भी विचार किया जा सकता है।

31 वर्षीय जेमी ओवरटन ने पिछले साल ही वनडे क्रिकेट में डेब्यू किया था और अब तक उन्होंने कुल छह वनडे मुकाबले खेले हैं, जिसमें उन्होंने सात विकेट हासिल किए हैं। इसके अलावा उन्होंने 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 11 विकेट अपने नाम किए हैं। टेस्ट क्रिकेट की बात करें तो उन्होंने वर्ष 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ पदार्पण किया था, लेकिन इसके बाद उन्हें एक भी टेस्ट खेलने का मौका नहीं मिल पाया है।

जेमी ओवरटन की गिनती इंग्लैंड के उन तेज गेंदबाजों में होती है जो अपनी रफ्तार के साथ-साथ बल्लेबाजी में भी टीम को गहराई प्रदान करते हैं। उनका कद 6 फीट 5 इंच है और वह गेंद को स्विंग कराने की क्षमता रखते हैं। हाल ही में हुए आईपीएल 2025 की नीलामी में चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें 1.5 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया था। आईपीएल में उन्होंने कुल तीन मुकाबले खेले, हालांकि उन्हें सिर्फ छह ओवर ही गेंदबाजी करने का मौका मिला। वेस्टइंडीज के खिलाफ मौजूदा वनडे सीरीज में खेलने से पहले ओवरटन चेन्नई सुपर किंग्स के साथ आईपीएल का हिस्सा थे।

न्यूज ब्रीफ

फोर नेशंस टूर्नामेंटः भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने उरुग्वे को शूटआउट में हराया

HOCKEY INDIA

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के रोसारियो में चार देशों के टूर्नामेंट के अपने पांचवें मुकाबले में निर्धारित समय में 2-2 से ड्रॉ के बाद उरुग्वे के खिलाफ शूटआउट में 3-1 से जीत हासिल की। मुकाबले में भारत की उपकप्तान हिना (10वें मिनट) और लालरिनपुई (24वें मिनट) ने गोल किया। वहीं गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने शूटआउट में अपने मौकों को भुनाकर जीत सुनिश्चित की। मुकाबले में भारतीय जूनियर टीम ने मजबूत शुरुआत की। उपकप्तान हिना ने 10वें मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद लालरिनपुई ने 24वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी और हाफटाइम तक भारत की 2-0 से बढ़त रही। हालांकि, उरुग्वे ने अंतिम क्वार्टर में वापसी की। टीम की खिलाड़ी इनेस डी पोसादास ने 54वें मिनट में एक गोल किया, जबकि मिलग्रोस सीगल ने तीन मिनट बाद गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद मुकाबले का परिणाम शुटआउट में निकला। शूटआउट में भारत ने अपना संयम बनाए रखा। भारतीय खिलाड़ी गीता, कनिका और लालथंतलागी ने लगातार तीन गोल किए, जबकि उरुग्वे की टीम केवल एक ही गोल कर सकी। भारतीय टीम अगला मैच मेजबान अर्जेंटीना के खिलाफ खेलेगी।

बेहतरीन पारी से चयनकर्ताओं की उम्मीद पर खरे उतर रहे करुण नायर

कैंटेंबरी। कैंटेंबरी के मैदान पर इंग्लैंड लायंस के खिलाफ खेलकर करुण नायर के नाबाद 186 रनों की बदौलत इंडिया-ए ने पहले ही दिन 3 विकेट के नुकसान पर 409 रन बनाए हैं। इंडिया ए की ओर से सरफराज खान ने भी एक छोर संभाला और 119 गेंदों पर 92 रन बनाए। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ इंडिया-ए ने बनाए 409 रन इसके बाद ध्रुव ज्यूरेल ने नायर का साथ देकर स्कोर 400 पार लगा दिया। नायर की यह पारी तब सामने आई जब सात साल बाद उन्हें बीसीसीआई ने मौका दिया है। नायर ने घरेलू क्रिकेट में खूब रन बनाए थे इसकारण उन्हें आईपीएल में भी दिल्ली कैपिटल्स ने मौका दिया था। अब नायर भारत के लिए पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए अपना मजबूत दावा पेश करते दिख रहे हैं। इसके पहले इंग्लैंड लायंस के कप्तान जेम्स रॉ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। यह फैसला सही भी साबित जब हुआ जब भारतीय कप्तान अभिमन्यू छठे ओवर में ही 8 रन बनाकर चलते बने। जायसवाल भी 24 रन बनाकर आऊट हुए। इससे टीम इंडिया की ओपनिंग क्रम को लेकर चिंता भी पैदा हो गई। लेकिन तीसरे नंबर पर आए करुण ने पारी को संभाला और विकेट के चारों ओर शॉट लगाए। उन्हें सरफराज का भरपूर सहयोग मिला, दोनों के बीच 181 रन की साझेदारी हुई।

बुमराह और तेवतिया जब आमने-सामने आये

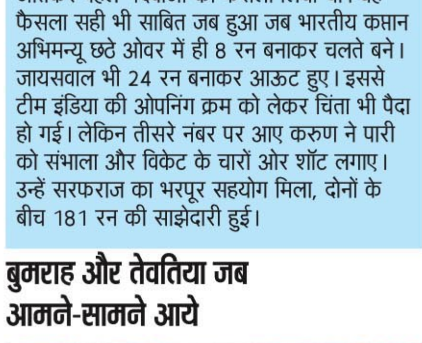

मुल्लांपुर। मुम्बई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और गुजरात टाइटंस के राहुल तेवतिया की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) एलिमिनेटर मुकाबले में एकदूसरे से झड़प हो गयी थी हालांकि मामला बढ़ नहीं पाया। ये भिड़ंत उस समय हुई जब दोनो ही टीमें मैच जीतने जोर लगा रहीं थीं। इस मुकाबले में मुम्बई को आंखिरकार जीत मिली। ये मामला गुजरात की बल्लेबाजी के दौरान हुआ। तेवतिया ने बुमराह की गेंद में छक्का लगाया और जब वह अगली बार ऐसा करने गये तो वह अगली दो गेंदों में शॉट लगाने में विफल रहे। इसके बाद तनाव के बीच ही तेवतिया ने कोई बात कही दी जिससे बुमराह भी बरस पड़े और उन्होंने कहा, मेरे से मत बोल। इसके बाद तेवतिया ने कहा कि वह अपने से बातें कर रहे थे जिससे दोनो के बीच गलतफहमी दूर हो गयी। इससे बुमराह के चेहरे पर मुस्कान आ गई, जिन्होंने खुशी से हाथ उठाया और अपने गेंदबाजी करने चले गये। तब तक मैच में बदलाव आ गया था।

साई सुदर्शन का काउंटी कनेक्शन, आजमाया आईपीएल 2025 में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली

आईपीएल 2025 में सबसे अधिक रन बनाने वाले गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन ने अपनी बैटिंग के पीछे छिपे कई राज खोले हैं। सुदर्शन ने बताया कि उनकी बल्लेबाजी में इंग्लैंड में खेले गए काउंटी क्रिकेट का बड़ा योगदान है। काउंटी क्रिकेट के कुछ मैच खेलने के बाद उन्हें समझ आया कि बल्लेबाजी में बेसिक्स यानी बुनियादी तकनीक सबसे अहम होती है। इस अनुभव ने उन्हें इंग्लैंड के अपने पहले टेस्ट दौरे से पहले आत्मविश्वास भी दिया है।

आईपीएल 2025 में साई सुदर्शन ने 15 मैचों में 54.21 की औसत से कुल 759 रन बनाए और वे ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं। हालांकि, उनकी इस बेहतरीन फार्म के बावजूद गुजरात टाइटंस एलिमिनेटर मैच में मुंबई इंडियंस से हार गई और टूर्नामेंट से बाहर हो गई। अब सुदर्शन का फोकस भारतीय रेड बॉल क्रिकेट पर है। उन्होंने पिछले सीजन में इंग्लिश काउंटी टीम सरे के लिए भी कुछ मैच खेले थे, जिससे उनकी तकनीक में सुधार हुआ।

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को छह जून से नॉर्थम्पटन में भारत ए और इंग्लैंड लायंस के बीच दूसरे मैच में खेलने की उम्मीद थी, लेकिन शेड्यूल में बदलाव के कारण यह कम हो गया है। भारतीय टेस्ट टीम छह जून को इंग्लैंड के लिए रवाना होगी। सुदर्शन ने कहा, काउंटी क्रिकेट में मैंने सात मैच खेले हैं, जिससे मेरी तकनीक और बुनियादी बातें बेहतर हुई हैं। मुझे एहसास हुआ कि बल्लेबाजी में बेसिक्स पर ध्यान देना कितना जरूरी है। अब मैं अपने अनुभवों से सीख लेकर और बेहतर बनना चाहता हूं।

सुदर्शन ने स्वीकार किया कि वे लंबे समय से सीमित ओवरों की क्रिकेट खेल रहे हैं और टेस्ट क्रिकेट के लिए खुद को ढालना चुनौतीपूर्ण होगा। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट 20 जून से शुरू होगा। उन्होंने कहा, तीन महीने के सफेद गेंद के क्रिकेट के बाद मेरी बल्लेबाजी में बदलाव हो सकते हैं, लेकिन टेस्ट की तैयारी के लिए हमारे पास पर्याप्त समय है। अब मेरा ध्यान केवल बेसिक्स पर रहेगा। जब उनसे आईपीएल के बाद टी20 टीम में चुने जाने की उम्मीद के बारे में पूछा गया तो सुदर्शन ने कहा, देश के लिए खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है, मैं भी ऐसा चाहता हूं, लेकिन फिलहाल मैं इस बारे में नहीं सोच रहा। मुझे अपने खेल में सुधार करना है और जब भी मौका मिलेगा, मैं देश के लिए बेहतर प्रदर्शन करना चाहूंगा।

महेला जयवर्धने ने किया साई सुदर्शन की तारीफ

मुल्लांपुर। आईपीएल 2025 के एलिमिनेटर मुकाबले में साई सुदर्शन की शानदार अर्धशतकीय पारी भी गुजरात टाइटंस को हार से नहीं बचा सकी। मुंबई इंडियंस ने इस रोमांचक मुकाबले में गुजरात को 20 रन से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। साई सुदर्शन ने 49 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 80 रनों की जोरदार पारी खेली और टीम को मुकाबले में बनाए रखा, लेकिन अन्य बल्लेबाजों से उन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। सुदर्शन के इस प्रदर्शन ने कई क्रिकेट दिग्गजों का ध्यान अपनी ओर खींचा हैं, जिनमें मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच और पूर्व श्रीलंकाई कप्तान महेला जयवर्धने भी शामिल हैं। जयवर्धने ने युवा बल्लेबाज की तकनीक और मानसिक दृढ़ता की खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सुदर्शन की बल्लेबाजी देखकर उन्हें काफी आनंद आया और उन्होंने बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को 'शानदार' करार दिया। साथ ही, जयवर्धने ने इंग्लैंड दौरे को लेकर उम्मीद जताई कि सुदर्शन वहां भी अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करेंगे। जयवर्धने ने कहा कि इंग्लैंड की परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण होंगी, लेकिन सुदर्शन में वहां भी सफल होने की काबिलियत है। उन्होंने भरोसा जताया कि यह युवा खिलाड़ी भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में बड़ा योगदान देगा। सुदर्शन ने इस आईपीएल सीजन में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 15 मैचों में 54.21 की औसत से 759 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने छह अर्धशतक और एक शानदार शतक भी जड़ा, जिससे वह टूर्नामेंट के टॉप स्कोररों में शामिल हो गए। गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी में सुदर्शन सबसे भरोसेमंद नाम बनकर उभरे। हालांकि टीम का सफर यहीं खत्म हो गया, लेकिन सुदर्शन ने अपने दमदार प्रदर्शन से भविष्य के लिए उम्मीदें जगा दी हैं। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस ने क्वालिफायर 2 में प्रवेश कर लिया है, जहां उनका मुकाबला फाइनल में जगह बनाने के लिए पंजाब किंग्स से होगा, जिसकी कप्तानी श्रेयस अय्यर कर रहे हैं।

रबाडा बोले, नशीली दवाओं के सेवन की गलती के लिए अपने को माफ नहीं करुंगा

नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने कहा है कि वह नशीली दवाओं के सेवन के लिए शर्मिंदा हैं। नशीली दवाओं के सेवन के कारण ही रबाडा पर अप्रैल में एक माह का प्रतिबंध लगा दिया गया था। जिसके बाद रबाडा स्वदेश लौट गये थे। आईपीएल के दौरान ही उन्होंने अपनी गलती मान ली इस कारण उनपर लीग ने अपनी ओर से कोई प्रतिबंध नहीं लगाया।

रबाडा ने कहा, मैं फिर से वापसी कर उत्साहित हूं। प्रतिबंध की इस प्रक्रिया को बहुत अच्छे से संभाला गया. मुझे लगता है कि एक खिलाड़ी और एक इंसान के तौर पर लोगों के अलग-अलग विचार होते हैं। मैं इसके साथ जी सकता हूं। कुछ लोग ऐसे भी हैं जो निराश हुए होंगे और मैं उन लोगों के लिए दुखी हूं। मेरे सबसे करीबी लोग वे हैं जिन्हें मैंने निराश किया पर जीवन इसी प्रकार आगे बढ़ता रहता है। रबाडा ने साथ ही कहा, मैं अपनी इस गलती को कभी भी माफ नहीं करूंगा। कुछ लोग ऐसे हैं जो मेरे टीम के साथी हैं। मैंने उनसे पहले ही बात कर ली है और मुझे लगता है कि जब हम लंबे समय तक साथ मिलेंगे तो हम इस बारे में और विस्तार से बात कर सकते हैं।

प्रतिबंध के कारण ही गुजरात टाइटन्स टीम को उन्हें सत्र के बीच में ही छोड़ना पड़ा था हालांकि इसकी उनके स्वदेश लौटने की जानकारी तब हुई जब वह प्रतिबंध समाप्त करने के करीब थे। वह 11 से 15 जून तक लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले फाइनल मैच में खेलेंगे।

दक्षिण अफ्रीका टीम इस प्रकार है : टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी ज़ोरज़ी, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, मार्को जेनसन, कागिसो रबाडा, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, कॉर्बिन बॉश, काइल वेरिन, डेविड बेडिंघम, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेल्टन, सेनुरन मुथुसामी, डेन पैटरसन।

रिंकू और सांसद प्रिया की सगाई 8 जून को होगी

क्रिकेटर रिंकू सिंह शीघ्र ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। उनकी शादी उत्तरप्रदेश के मछलीशहर की सांसद प्रिया सरोज से इसी साल नवंबर में होगी। एक रिपोर्ट के अनुसार इन दोनो की सगाई इसी माह 8 जून को लखनऊ में होने वाली है। रिंकू भारतीय टी20 क्रिकेट टीम से खेलते हैं। वहीं प्रिया समाजवादी पार्टी की टिकट से सांसद हैं। ऐसे में शादी में क्रिकेटरों के साथ ही कई बड़े राजनेताओं ओर जानी मानी हस्तियों के शामिल होने की उम्मीद है। वहीं प्रिया पेशे से वकील हैं और 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने पित की जगह पर उतरीं थीं। रिंकू और प्रिया दोनों एक दूसरे को पहले से ही जानते हैं। इन दोनो की शादी को लेकर इस साल की शुरुआत में सबसे पहले खबरें आयीं थीं पर तब इन दोनो ने ही उन्हें गलत बताया था।

बुमराह ने वर्कलोड और जिंदगी को लेकर कही दिल की बात

नई दिल्ली

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने हाल ही में पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क के पॉडकास्ट 'बियॉन्ड 23' में अपने करियर, फिटनेस, पारिवारिक जीवन और वर्कलोड मैनेजमेंट को लेकर खुलकर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने साफ कहा कि उनके लिए क्रिकेट से ज्यादा उनका परिवार अहम है।

बुमराह ने कहा, मेरे लिए परिवार मेरे करियर से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक स्थायी रिश्ता है। मैं दो चीजों को बेहद गंभीरता से लेता हूं एक है मेरा परिवार और दूसरा मेरा खेल, लेकिन इनमें भी परिवार पहले आता है। उन्होंने आगे बताया कि उनके बेटे ने अभी से गेंद से खेलना शुरू कर दिया है, हालांकि यह समय इसके लिए उपयुक्त नहीं है। बुमराह की इस बातचीत के पीछे की एक अहम वजह हालिया चयन विवाद भी है। इंग्लैंड दौरे के लिए उन्हें कप्तानी का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन फिटनेस और वर्कलोड मैनेजमेंट को ध्यान में रखते हुए चयनकर्ताओं ने शुभमन गिल को कप्तान बनाने का फैसला किया। चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने स्क्वॉड की घोषणा के समय यह स्पष्ट किया था कि बुमराह पांचों टेस्ट नहीं खेलेंगे। अपनी फिटनेस को लेकर बुमराह ने कहा, किसी भी खिलाड़ी के लिए लंबे समय तक लगातार खेलते रहना मुश्किल होता है। मैंने यह लंबे समय तक किया है, लेकिन अब यह समझना जरूरी हो गया है कि शरीर किस दिशा में जा रहा है और कौन सा टूर्नामेंट अहम है। आपको स्मार्ट होकर तय करना पड़ता है कि कहां खेलना है और कहां आराम करना है।

बुमराह ने यह भी कहा कि वह कभी भी आंकड़ों या लक्ष्यों के पीछे नहीं भागते, क्योंकि जब भी उन्होंने ऐसा किया, वह उन्हें पूरा नहीं कर पाए। उन्होंने कहा, मैं हमेशा मैदान पर पूरी ताकत झोंकता हूं, लेकिन नंबर्स और रिकॉर्ड्स पर ध्यान नहीं देता। मेरा फोकस सिर्फ बेहतर क्रिकेट खेलने पर होता है। बुमराह की यह सोच न केवल एक क्रिकेटर के रूप में उनकी परिपक्वता को दर्शाती है, बल्कि यह भी बताती है कि वह खेल और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाने को कितना जरूरी मानते हैं।

क्या कप्तान बनते ही शुभमन गिल में आई अकड़ नहीं मिलाया हार्दिक पंड्या से हाथ

नई दिल्ली

आईपीएल 2025 के एलिमिनेटर मुकाबले में कड़ी टक्कर देने के बावजूद गुजरात टाइटंस मुंबई इंडियंस को हराने में सफल नहीं हो पाए। मुंबई ने मुल्लांपुर में खेले गए इस मैच में गुजरात को 20 रनों से मात दी। 229 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टाइटंस 6 विकेट खोकर 208 रन ही बना सकी। अब मुंबई का मुकाबला फाइनल में पंजाब किंग्स से होगा, जबकि गुजरात को अगली बार नई शुरुआत करनी होगी।

मगर इस मैच में टॉस के दौरान एक ऐसा घटनाक्रम हुआ, जिसने सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोरी। गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या से बिना हाथ मिलाए आगे बढ़ना पसंद किया। हार्दिक पंड्या ने हाथ मिलाने की कोशिश की, लेकिन शुभमन गिल ने उससे बचते हुए यह मौका अनदेखा कर दिया। इस नजारे की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और फैंस के बीच अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आईं। इस घटना को लेकर कई यूजर्स ने गिल की आलोचना की, तो कुछ ने हार्दिक पंड्या के व्यवहार पर सवाल उठाए।

गौरतलब है कि दोनों खिलाड़ी पहले आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए खेलते थे। हार्दिक पंड्या गुजरात के कप्तान थे, लेकिन बाद में मुंबई इंडियंस में शामिल होने के बाद शुभमन गिल को गुजरात की कप्तानी सौंपी गई। वहीं, भारतीय क्रिकेट टीम अगले महीने इंग्लैंड के चुनौतीपूर्ण दौरे पर जाएगी। रोहित शर्मा ने सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, जिसके बाद शुभमन गिल को टेस्ट टीम की कप्तानी मिली है। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से शुरू होगी, जो 4 अगस्त को समाप्त होगी। इस बीच शुभमन गिल पर नए कर्तव्यों और दबावों का दायरा भी बढ़ गया है।

जब लगे मैच पकड़ से बाहर जा रहा हैं, तब जस्सी को गेंदबाजी सौंप दो, हार्दिक पंड्या ने क्यों कहा ऐसा

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने एलिमिनेटर में गुजरात टाइटंस को 20 रन से हराकर क्वालिफायर 2 में प्रवेश किया है। मैच जीतने के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा कि एक समय मैच बराबर पर था, विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छी हो गई थी लेकिन हमें अपने नर्व्स पर कंट्रोल रखना था। हार्दिक ने कहा कि हर किसी ने अपना योगदान दिया। जसप्रीत बुमराह को गेंद देने का फ़ैसला करना बेहद आसान है, जब भी लगे कि मैच हाथ से बाहर हो रहा हैं, आप बुमराह को गेंद दे सकते हैं। यह महत्वपूर्ण था कि जस्सी आकर वह ओवर डाले ताकि अंतर लंबा हो जाए (18वां ओवर)। मैं सिर्फ स्कोरबोर्ड देख रहा था इसलिए अगर हम अंत के ओवरों के लिए ज्यादा रन बचा कर रखते हैं, तब बाद में गेंदबाजों के लिए आसान हो सकता है। वहीं, मुंबई के गेंदबाज अश्विनी कुमार ने कहा कि विकेट सपाट था। हम एक स्पिनर को शामिल कर सकते थे। लेकिन फिर मुझे इंपेक्ट प्लेयर के रूप में पेश किया गया। मलिंगा सर और पारस (महाम्ब्रे) सर ने मुझे विचारों के साथ मदद की। मैं अपनी योजना पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। और अपनी ताकत के अनुसार गेंदबाजी कर रहा था।

मां बन सकती हैं आप, अब नही होगा बार-बार गर्भपात

अगर आपको अपना स्मार्टफोन बार-बार चैक करने की आदत है, तो सावधान हो जाएं! क्योंकि ऐसा करना आपके लिए स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। एक नए शोध से पता चला है कि बार-बार फोन जांचने की ललक संतुष्टि प्रक्रिया को प्रभावित करती है। अमेरिकी की टेंपल यूनिवर्सिटी के मनोवैज्ञानिक हेनरी विल्मर और जैसन ने इस अध्ययन के माध्यम से स्मार्टफोन और मोबाइल प्रौद्योगिकी के ज्यादा से ज्यादा उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति बेहतर समझ विकसित करने की कोशिश की है। इस अध्ययन के लिए शोधार्थियों ने 91 कॉलेज छात्रों का प्रश्नावली और संज्ञानात्मक परीक्षणों द्वारा आकलन किया। शोधार्थियों ने निष्कर्षों में पाया है कि आसानी से प्रयोग में लाए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का अधिकाधिक प्रयोग आवेग नियंत्रण पर दुष्प्रभाव डालता है और शीघ्र प्रतिफल पाने की प्रवृत्ति को भी बढ़ाता है। विल्मर कहते हैं, मोबाइल प्रौद्योगिकी का ज्यादा इस्तेमाल या बार-बार फोन चेक करने की ललक अनियंत्रित आवेगों को बढ़ाती है, और प्रतिफल मिलने की संतुष्टि को प्रभावित करती है। यह शोध स्प्रिंगर पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

नमस्कार करने से कम होगा संक्रमण का खतरा

ब्रिटेन में हुए एक शोध में पाया गया है कि अगर हाथ मिलाने की जगह हम एक दूसरे से नमस्कार करें तो संक्रमण को दस गुना कम किया जा सकता है। जब दो लोग आपस में हाथ मिलाते हैं तो उनके शरीर की तरंगें एक दूसरे की अंगुलियों के माध्यम से शरीर में प्रसारित हो जाती हैं। ऐसे में यदि किसी व्यक्ति के शरीर में अधिक नकारात्मक तरंगे होंगी तो वे दूसरे व्यक्ति के शरीर में पहुंच सकती हैं।

गुणों से भरपूर है गन्ने का रस

भारत में सबसे ज्यादा गन्ना उगाया जाता है। गन्ने के रस से ज्यादा पोषक और स्वस्थ रखने वाला कोई और रस नहीं हो सकता। अगर आप दिर-भर की थकान को दूर करने के लिए एक गिलास गन्ने का रस पीएगें तो आपको स्वाद भरी ताजगी मिल जाएगी।

गन्ने का रस में सेहत के लिए बहुत गुणकारी है। यह रस विटामिन ए,सी ,बी, कैल्शियम, फास्फोरस, पोटेशियम, और कॉपर से भरपूर होता है। इसे पीने से हड्डियां मजबूत बनती हैं और दांतों की समस्या भी कम होती है। आज हम आपको बताएगें कि कैसे गन्ने का रस दूर करता है इन बिमारीयों से।

गन्ने का रस पीने से होंगे ये फायदे

- **कैंसर से बचाव करता है:** गन्ने के रस में कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटेशियम, आयरन और मैंगनीज जैसे तत्व अच्छी मात्रा में हैं जो शरीर को कैंसर जैसी बिमारी से लड़ने के लिए सहायक होता हैं।
- **मुहांसों से छुटकारा:** गन्ने का रस पीने से त्वचा को अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड मिलता है जो मुहांसे दूर करने और सेहतमंद त्वचा के लिहाज से फायदेमंद है।
- **किडनी के लिए फायदेमंद:** गन्ने के रस में प्रोटीन अच्छी मात्रा में है। इसमें नींबू और नारियल पानी मिलाकर पीने से किडनी की युरीन इन्फेक्शन, एसटीडी और पत्थर जैसी समस्यामए दूर होती है।

- **पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद:** गन्ने का रस पाचन तंत्र के साथ-साथ पेट की बीमारियों के लिए भी बहुत फायदेमंद है क्योकि इसमें पोटैशियम की मात्रा ज्यादा होती है। इसे पीने से कब्ज की समस्या भी दूर होती है।
- **नाखूनों में आती है चमक :** यह रस पीने से नाखूनों पर से सफेद धब्बे हटाते है और नाखून चमकदार होते हैं क्योकि इसमें पोषक तत्व हैं जिससे आपके नाखूनों की सेहत की भरपाई हो जाती है।
- **दिल के रोगों से करता है बचाव:** गन्ने का रस शरीर में कोलेस्ट्रॉल और ट्राईग्लिसराइड के लेवल को गिरता है जिससे धमनियों में फैट नहीं जमता और दिल के रोगों जैसी बिमारीयों से बचाव रखता है।
- **मोटापा होता है कम:** यह रस आपके शरीर में खराब कॉलेस्ट्रोल को कम करके आपको मोटापे से बचाता है।
- **शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद:** गन्ने का रस पीने से मधुमेह रोगियों को बहुत फायदा होता है क्योकि यह मीठा और प्राकृतिक शुगर से भरपूर होता है।
- **त्वचा में ग्लो आती है:** यह रस त्वचा संबंधित परेशानियों को दूर करता है और स्किन में कसाव लेकर आता है। इस रस को त्वचा पर लगा कर धोने के बाद त्वचा खिली-खिली और साफ नजर आती है।

महिलाओं में अधिक होती है यूटीआई की समस्या

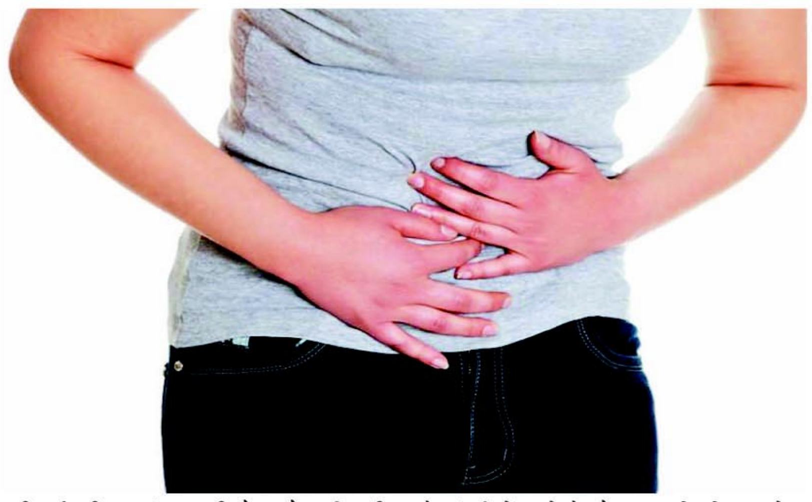

पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में अधिक होती है यूटीआई की समस्या, जानिए इससे बचने के उपाय... गर्मी के मौसम में पानी की कमी के कारण किडनी उचित मात्रा में यूरिन को शरीर से बाहर नहीं निकाल पाती है। ऐसे में यूटीआई का खतरा बढने की आशंका रहती है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में इसके मामले अधिक हैं।

जिसका कारण बैक्टीरियल इंफेक्शन है। ये बैक्टीरिया यूरेथ्रा के जरिए यूरीनरी ट्रैक में प्रवेश कर रोग का कारण बनते हैं। यूटीआई की समस्या एक्यूट और क्रांनिक दोनों तरह से हो सकती है। इसका खतरा उम्रवार सभी वर्गों को अलग-अलग कारणों से प्रभावित करता है।

कारण

बच्चों में

बच्चों में यूरीनरी ट्रैक इंफेक्शन का कारण यूरिन के रास्ते में रुकावट, न्यूरोजेनिक ब्लैडर व अन्य जन्मजात विकृतियां हैं। उनमें यूरेथ्रा से यूरीनरी ट्रैक तक बैक्टीरिया का हमला इस रोग की वजह बनता है।

पुरुषों में

पुरुषों में 50 साल की उम्र के बाद यूटीआई की समस्या अधिक होती है। जिसकी मुख्य वजह प्रोस्टेट का बढना है। ऐसे में यूरिन पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाता व लगातार स्टोर होने से इंफेक्शन का खतरा रहता है।

डायबिटीज रोग में लापरवाही से पेक्रिंयाज शुगर के स्तर को असामान्य कर देता है जिससे यूटीआई की आशंका रहती है। ब्लैडर/किडनी संबंधी परेशानी या कमजोर इम्युनिटी से भी यूटीआई होता है।

महिलाओं में

यौन संबंधों व अंग के आसपास इंफेक्शन होने और लंबे समय तक यूरिन रोकने की आदत क्रांनिक यूटीआई की समस्या को बढ़ाती है। यूरिन को रोके रखने की क्षमता वाली मांसपेशी कमजोर होने लगती हैं। इसे ओवर एक्टिव ब्लैडर कहते हैं। कई मामलों में सिजेरियन, सर्जरी व महिला का बार-बार गर्भधारण करना भी यूटीआई की आशंका बढ़ा देता है।

लक्षण

एक्यूट यूटीआई में यूरिन करने के तुरंत बाद ही बार-बार यूरिन आने, रोकने की क्षमता कम होने, यूरिन करते समय दर्द व जलन और हल्का बुखार आता है। क्रांनिक यूटीआई में इलाज के बाद भी इंफेक्शन बार-बार होता है।

मूत्रतंत्र से जुड़े अन्य अंग प्रभावित होते हैं जिससे गहरे रंग का यूरिन आने, पेट व पीठ के निचले हिस्से में दर्द के साथ ही ब्लैडर के आसपास भी दर्द होता है।

अन्य कारण

पानी की कमी : गर्मियों में पानी की पर्याप्त मात्रा न पीने से पेशाब कम बनता है और शरीर में मौजूद फ्लूड पसीने के जरिए निकल जाता है।

संक्रमण : गंदे अंडरगारमेंट्स पहनने, साफ-सफाई के अभाव वाले टांयलेट या जगहों पर यूरिन करने से भी संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। इसके अलावा दूषित भोजन व पानी के संपर्क में आने के दौरान बाहरी कीटाणु यूरेथ्रा में पहुंचकर इंफेक्शन बढ़ाते हैं।

तनाव: कई बार तनाव की स्थिति में यूरिन पूरी तरह से बाहर नहीं निकल पाता या व्यक्ति को बार-बार यूरिन आने की इच्छा होती है।

ध्यान रखें

दिन में 4-5 लीटर पानी पीएं ताकि कीटाणु बाहर निकल जाएं। फलों का जूस पीते रहें। कब्ज न होने दें, पेट साफ रखें। यूरिन को लंबे समय तक न रोकें।

जांच

यूरिन एग्जाम व यूरिन कल्चर टैस्ट कर इसका कारण का पता करते हैं।

इलाज

- एक्यूट की स्थिति में 2-3 दिन तक एंटीबायोटिक दवा और क्रांनिक यूटीआई की स्थिति में लो डोज में प्रोफाइलेक्सिस
- गर्भावस्था के दौरान या डायबिटिक को यह समस्या है तो 2-3 हफ्ते तक दवा देते हैं।

वजन बढ़ाने वाला पाउडर खाने से पहले जान लें साइड इफैक्ट्स

इस तेज रफ्तार और टैक्नोलॉजी से भरपूर जमाने में लोग फटाफट से हर काम को करना चाहते हैं। बात सिक्स पैक, बढ़ते हुए वजन को कम करने की हो या फिर दूबले शरीर को मोटा करने की, लोग किसी काम में भी इंतजार नहीं करना चाहते।

सिक्स पैक, बॉडी, वजन बढ़ाने की चाहत में वह प्रोटीन शेक या बांडी सप्लीमेंट्स लेने तक लेने शुरू कर देते हैं लेकिन शायद वह इनसे होने वाले साइड इफैक्ट्स के बारे में नहीं जानते। एक्सरसाइज, वर्कआउट और योग का हमारे शरीर को कोई नुकसान नहीं होता लेकिन गलत चीजों से बांडी बनाने से हम तरह तरह की बीमारियों को खुद ही न्योता देते हैं जो कि सही नहीं है।

क्यों लेते हैं वजन बनाने वाले पाउडर?

हमारे शरीर को विटामिन, मिनरल्स, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और फाइबर अगर सही मात्रा में मिल जाएं तो हमारा शरीर तंदुरुस्त रह सकता है लेकिन बिगड़ती लाइफस्टाइल, वर्कआउट न करने और संपूर्ण आहार न लेने के कारण ही लोग वजन बढ़ाने वाले पाउडर लेने लगते हैं। आज हम आपको बताते हैं कि वजन बढ़ाने वाल पाऊडर लेने से हमारे शरीर में किस तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

किडनी स्टोन

वजन बढ़ाने वाले पाउडर लेने से किडनी (गुर्दे) को खतरा होता है। क्रिएटीन व कैल्शियम ज्यादा मात्रा में लेने से गुर्दे की पथरी की भी समस्या हो सकती है। इसी के साथ अगर आपके शरीर के हार्मोन्स अतिसंवेदनशील है तो यह घातक हो सकता है।

आंत की समस्या

इस पाउडर से आंत की समस्या भी होना आम बात है। यह बात तो साबित भी हो चुकी है कि वजन बढाने वाले पाउडर एक उत्प्रेरक हैं लेकिन ज्यादा से ज्यादा पानी पीने से उसके दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है। अगर पाउडर के साथ एल्कोहल कासेवन किया जाए तो यह खतरनाक हो सकता है।

सांस की समस्या

इससे सांस संबंधी परेशानी भी हो सकती है। कभी कभी कफ की समस्या सामने आती है लेकिन समस्या के ज्यादा गंभीर होने पर अस्थमा की समस्या भी हो सकती है। अगर आपको पहले से सांस की समस्या है तो कोई भी सप्लीमेंट्स लेने से पहले डाक्टर की सलाह जरूर लें।

मितली व डायरिया

वैसे तो यह सब होना बहुत ही आम है लेकिन अगर यह समस्या पाउडर खाने के बाद बार बार होती हैं तो समझ लें इसका कारण वजन बढ़ाने वाला पाउडर है क्योंकि यह ठीक से पेट में घुल नहीं पाता, जिससे यह समस्या होने लगती है।

पुरुष हो जाएं सावधान, पेट पर जमा फैट से है जान का खतरा

मोटापे से ज्यादा जानलेवा है पेट निकलना

अगर आप सोचते हैं कि सिर्फ मोटा होना ही नुकसानदेह है और शरीर में जमे थोड़े बहुत फैट से आपको कोई खतरा नहीं है तो आप गलत हैं। एक शोध में सामने आया है कि पेट पर जमा फैट उतना ही खतरनाक है जितना कि पूरे शरीर पर। ऐसे में मोटापे से ज्यादा जानलेवा पेट बाहर निकलना हो सकता है। इससे पुरुषों को ज्यादा सावधान रहने कह जरूरत है।

जानकारी के मुताबिक शोध में पाया गया कि साधारण वजन वाले लोग जिनके पेट और कमर के पास ज्यादा फैट इकटठा होता है उन्हें जान का ज्यादा खतरा है बजाए उनके जो पूरी तरह मोटे या ओवरवेट हैं। यानि अगर आपके शरीर में फैट बराबर से हर अंग में बंटा है तो वह उतना खतरनाक नहीं है जितना कि सिर्फ पेट पर जमा फैट। ऐसा होने पर पेट पर टायर बनने लगते हैं यानी फैट की पूरी मोटी परत दिखती हैं। इससे कई बीमारियां हो सकती हैं जैसे कि याददाश्त कमजोर होना, मधुमेह, कैंसर और दिल की बीमारी।

15 हजार लोगों पर की रिसर्च

मेरिका के मिनेसोटा में हुए इस शोध को 15000 लोगों पर आजमाया गया। इसे करने वाले डॉ फ्रान्सिस्को लोपेज ने बताया कि इस पर जल्द से जल्द कदम उठाने की जरूरत है ताकि यह पता चल सके कि कुछ लोगों का पूरा शरीर फिट, लेकिन पेट के पास फैट क्यों जमा होता है। ऐसे लोगों के जल्दी मरने का खतरा होता है। पुरुषों में यह संभावना ज्यादा रहती है जबकि महिलाओं में उनसे थोड़ी कम लेकिन फिर भी असरदार होती है।

अच्छे खानपान से दूर हो सकती है बीमारी, शराब ज्यादा खराब

इस परेशानी से बचने का एकमात्र उपाय है कि अपने खान पान की आदतें सुधारें। पेट के पास फैट बढ़ने का मतलब होता है अंदरूनी अंगों के आस पास फैट बढ़ना जो कि दिल की बीमारियां, उक्त रकत्चाप और टाइप 2 मधुमेह की तरफ इशारा करता है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि पौष्टिक आहार लिया जाए। खाने पीने में फलों और सिब्जयों के जूस की मात्रा बढ़ाएं। शुगर और फैट वाली चीजें न खाएं, शराब कम कर दें और दिन में थोड़ा समय कसरत को जरूर दें। इन सबके पीछे अच्छी बात यह कि पेट के पास जमा फैट आसानी से समझ में आ जाता है क्योंकि कपड़े भी कसे होने लगते हैं।

रेसिपी

मिसी रोटी

सामग्री

(8 मिस्सी रोटी के लिये)

1 प्याला बेसन, 1/2 प्याला आटा, 1-2, बारीक कटी हरी मिर्च, 2 बड़ा चम्मच हरा धनिया बारीक कटा, 1/4 छोटा चम्मच नमक, 1/2 छोटा चम्मच अजवाइन,2 छोटा चम्मच तेल, 2-4 बड़ा चम्मच प्याज बारीक कटा (वैकल्पिक), 1/4 प्याला पानी (या आवश्यकतानुसार), घी/ मक्खन रोटी पर लगाने के लिए

विधि

एक परात में बेसन, आटा, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा हरा धनिया, कटी प्याज, नमक, तेल, और अजवाइन लें और अच्छी तरह मिलाएं। थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए आटा गूंथें, यह न तो बहुत मुलायम हो और न बहुस सख्त। आटे को 10 मिनट के लिए ढककर रखें। गुथे आटे को 8 बराबर हिस्सों में बांटें और लोइयां बनाएं। तवा गरम करें। जब तक तवा गरम हो रहा है, इस बीच एक लोई को सूखे आटे की मदद से तीन इंच व्यास के गोले में बेलें। रोटी को गरम तवे पर डालें, एक ओर पक जाने पर पलट दें। दूसरी ओर पक जाने के बाद, रोटी को चिमटे की मदद से मध्यम आंच पर दोनों तरफ से घुमाकर लाल सेक लें। मिस्सी रोटी के ऊपर घी/ मक्खन लगाएं। इसी तरह से सभी रोटी को बनाकर सेंक लें। किसी भी दाल या सब्जी के साथ गर्म परोसें। **टिप्पणी:** अगर बिजली का चूल्हा है तो रोटी को तवे पर ही साफ कपड़े की मदद से सेंका जा सकता है। इसके लिए कपड़े से रोटी को किनारे से दबाकर दोनों तरफ से लाल सेक लें।

दाल पंचरतन

सामग्री

50 ग्राम छिलके वाली मूंग की दाल, 50 ग्राम मसूर की दाल, 50 ग्राम चने की दाल, 50 ग्राम उड़द की दाल, 50 ग्राम अरहर या तुअर दाल, एक प्याज-टमाटर बारीक कटा हुआ। 4 बड़े चम्मच देसी घी, आधा छोटा चम्मच जीरा, चुटकीभर हल्दी,चुटकी भर हींग, लाल मिर्च, चाट मसाला, नीबू और नमक स्वादानुसार हरा धनिया बारीक कटा हुआ।

विधि

सारी दालों को लगभग दो घंटे के लिये गरम पानी में भिगोएं। इन्हें मिलाकर प्रेशर कुकर में नमक, हल्दी और डेढ़ कटोरी पानी के साथ तीन सीटी देने तक पकाएँ। तुरंत प्रेशर कुकर न खोलें। कढ़ाई में घी गर्म करें और जीरा, हींग का छौंक लगाकर प्याज डाल दें। प्याज गुलाबी सुनहरी हो जाने पर टमाटर और थोड़ा सा नमक डालकर ढ़ंक दें और आँच धीमी कर दें। टमाटर गल जाने पर दाल डालें, चाट मसाला मिलाएं और हरे धनिए से सजाकर परोसें।

टिप्पणी: इस दाल में साबुत गरम मसाले का छौंक अच्छा लगता है। इसके लिये दो बड़ी इलायची दो पत्ते तेजपात, दस काली मिर्च और पाँच लौंग जीरे के साथ घी में डालें। यह छौंक अन्य दालों में भी डाला जा सकता है।

मां बन सकती हैं आप, अब नही होगा बार-बार गर्भपात

मां बनने की चाह रखने वाली महिला के लिए बार-बार गर्भपात होना एक बड़ी त्रासदी है। इस त्रासदी का असर पिता बनने की चाह रखने वाले वाले व्यक्ति पर भी पड़ता है, लेकिन लैप्रोस्कोपिक इनसरक्लेज प्रक्रिया कई कारणों से बार-बार गर्भपात होने की समस्या से निजात दिलाने में कारगर है।

समस्या क्या है

गर्भपात एक ऐसी स्थिति है, जिसमें भ्रूण के ठीक तरीके से विकसित होने के पहले ही गर्भ अचानक गिर जाता है। गर्भावस्था के दौरान लगभग 22 से 25 प्रतिशत मामलों में गर्भपात होता है। उम्र बढ़ने से बार-बार गर्भपात का खतरा बढ़ सकता है। एक नजर कारणों पर गर्भपात हार्मोन संबंधी समस्याओं, संक्रमण या रक्त में थ्रॉम्बोफीलिया जैसी कुछ समस्याओं या आनुवांशिक विकृति आदि की वजह से हो सकता है। थ्रॉम्बोफीलिया की स्थिति में मां के शरीर से बच्चे को सही मात्रा में रक्त की आपूर्ति नहीं हो पाती। वहीं संरचनात्मक (एनाटॉमिकल) समस्या के कारण भी गर्भपात हो सकता है। गर्भपात के कुछ अन्य कारण हो सकते हैं...

शारीरिक समस्याएं

- गर्भाशय में फाइब्रॉयड का होना।
- गर्भाशय की कैविटी में सेप्टम का होना।
- गर्भाशय में पॉलिप- या किसी भी अन्य प्रकार की ग्रोथ होना।
- सरवाइकल अक्षमता की स्थिति में प्रसव

(डिलीवरी) के दौरान गर्भाशय मुख के खुलने की बजाय यह समय (बच्चे का कार्यकाल पूरा होने से पहले) से पहले खुल जाता है। इस स्थिति में या तो गर्भपात हो सकता है या समय से बहुत पहले ही बच्चे के जन्म का खतरा बढ़ जाता है।

परंपरागत उपचार

अतीत में इन महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान गर्भाशय के मुंह (वेजाइनल इनसरक्लेज) से नीचे टांका लगाकर इलाज किया जाता था। दुर्भाग्य से यह प्रक्रिया खतरे से पूरी तरह मुक्त नहीं थी। ऐसे ज्यादातर मामलों में वेजाइनल इनसेलक्लेज कारगर नहीं होता था और ऐसी अधिकतर महिलाओं में गर्भपात होना तब भी जारी रहता था। लेकिन अब ऐसी महिलाओं के लिए हमने एक नई प्रक्रिया शुरू की है, जिसे लैप्रोस्कोपिक इनसरक्लेज कहा जाता है।

अन्य लाभ

फाइब्रॉयड, पॉलिप, सेप्टम या गर्भाशय में किसी भी प्रकार की अन्य शारीरिक समस्या होने के कारण होने वाले गर्भपात के अन्य मामलों का भी इलाज दूरबीन विधि से संभव है।

यह है नवीनतम इलाज

लैप्रोस्कोपिक इनसरक्लेज के अंतर्गत गर्भाशय के मुंह को लैप्रोस्कोपी के जरिये ऊपर से बांध दिया जाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि यह प्रक्रिया उन महिलाओं के लिए कारगर है, जिन्हें बार-बार गर्भपात होता है या जो महिलाएं अपरिपक्व (निर्धारित अवधि से पहले) बच्चों को जन्म देती हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)